बृहस्पतिवार
26 अक्टूबर 2023

पृष्ठ 4

**बच्चों की सेहत के लिए ठीक नहीं है चकोतरा**

पृष्ठ 5

**सिंघम अगेन में टाइगर श्रॉफ धांसू अवतार में नजर आए**

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 255
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

**आज का विचार**

सतत परिश्रम, सुकर्म और निरंतर सावधानी से ही स्वतंत्रता का मूल्य चुकाया जा सकता है।
– मुक्ता

# दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

# चेन्नई से धामी को मिले 3,450 करोड के निवेश के प्रस्ताव

विशेष संवाददाता

चेन्नई। अपने दो दिवसीय दौरे पर चेन्नई गये मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज जहां रोड शौ किया वहीं उन्होंने उद्योगपतियों के साथ भी संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की आबोहवा तो अन्य तमाम राज्यों से बेहतर है वहीं राज्य की कानून व्यवस्था भी बेहतर है। उन्होंने उद्योमियों को उत्तराखण्ड आने और निवेश करने का आमंत्रण देते हुए कहा कि जिस तरह से काशी में प्रधानमंत्री मोदी ने बनारस तमिल संगमम का आयोजन किया था वैसे ही हम उत्तराखण्ड में भी तमिल संगमम् का आयोजन करने जा रहे हैं।

इस अवसर परी मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड का 70 फीसदी से अधिक भूभाग वनाछादित है यहां गंगा–यमुना, सरस्वती और मंदाकिनी की पवित्र धाराएं बहती है। वहीं आदि कैलाश और केदारनाथ भी विराजते हैं तो यहां यमकेश्वरम हैं। हमारा अपना तो गहरा

## ❑उत्तराखण्ड तमिल संगम का आयोजन करेगा

धार्मिक और सांस्कृतिक रिश्ता है हम इसे और भी गहरा बनाना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझसे पहले मीनाक्षी सुन्दरम और सतपाल महाराज ने आपको यह बताया कि आपको उत्तराखण्ड में निवेश क्यों करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में निवेश के लिए हमने सिर्फ अनुकूल माहौल ही तैयार नहीं किया बल्कि अपनी नई ओद्यौगिक नीति में भी बडे बदलाव किये हैं। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि राज्य में निवेश करने वाले किसी संस्थान को किसी तरह की दिक्कत न हो एक स्थान पर आपको सभी समस्याओं का समाधान हो।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनके साथ गयी अधिकारियों की टीम द्वारा चेन्नई के इस फेरे के दौरान अभी

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

## जोशीमठ भू धंसाव पर सीएम को देनी पड़ी सफाई

चेन्नई। अपने चेन्नई दौरे के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सफाई देते हुए विवश होना पडा। यहां जोशीमठ भू धंसाव और भूस्खलन की तस्वीरों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि अगर ऐसे हालात होते तो क्या बद्रीनाथ धाम में 18 लाख श्रद्धालु पहुंचे होते।

उन्होंने कहा कि आपको जो तस्वीरें दिखाई गयी है वह हिमाचल प्रदेश की है। उन्होंने कहा कि इस साल भी मानसूनी आपदा से हिमाचल में ज्यादा नुकसान हुआ है। उत्तराखण्ड में कहीं कोई बडा नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि इस रिकार्ड 55 लाख श्रद्धालु चार धाम यात्रा पर आये वहीं कांवड यात्रा में 4 करोड से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। जिनकी व्यवस्था करना भी मुश्किल हो गया था। उन्होंने उत्तराखण्ड पूरी तरह सेफ और सीक्योर है।

# उपराष्ट्रपति के दून पहुंचने पर राज्यपाल ने किया स्वागत

विशेष संवाददाता

देहरादून। तय कार्यक्रम के अनुरूप उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड आज सुबह साढे ग्यारह बजे के आसपास दून स्थित जीसीटी हैलीपैड पहुंचे जहां उनका राज्यपाल गुरूमीत सिंह ने स्वागत किया। उपराष्ट्रपति अपने दो दिवसीय दौरे पर उत्तराखण्ड आये हैं। उनका उपराष्ट्रपति बनने के बाद यह पहला उत्तराखण्ड दौरा है। उपराष्ट्रपति धनखड यहां से 12 बजे के आसपास विशेष हैलीकाप्टर से उत्तरकाशी के हर्षिल के लिए रवाना हो गये। हर्षिल से वह आज ही सडक मार्ग से सबसे पहले गंगोत्री जायेंगे जहां वह मां गंगा के दर्शन और पूजा अर्चना करेंगे। इसके बाद वह वापस हर्षिल हैलीपैड से देहरादून वापस आयेंगे तथा आज रात राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। जानकारी के अनुसार उपराष्ट्रपति कल केदार और भगवान बद्रीनाथ के दर्शन करने जायेंगे तथा वापस दून आकर वन अनुसंधान केन्द्र में आयोजित होने वाले लेड इनिसेटिव समारोह में भाग लेने और अपना सबोधन देने कल रात आठ बजे के आसपास उपराष्ट्रपति का दिल्ली वापसी का कार्यक्रम है। उनके इस दो दिवसीय दौरे के लिए शासन प्रशासन द्वारा विशेष सुरक्षा इंतजाम किये गये।

## ❑गंगोत्री के लिए हुए रवाना, केदार व बद्री धाम भी जायेंगे

## सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 2 आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में गुरुवार को मच्छल सेक्टर में आतंकियों के घुसपैठ की कोशिश को सेना ने नाकाम कर दिया। इस दौरान सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया। जम्मू–कश्मीर पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट कर जानकारी दी है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, श्कुपवाड़ा पुलिस द्वारा दी गई एक विशेष जानकारी के आधार पर, मच्छल सेक्टर में एक मुठभेड़ शुरू हो गई है, जिसमें अब तक दो आतंकवादी मारे गए हैं। ऑपरेशन चल रहा है।श इससे पहले श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर ने सोशल मीडिया मंच श्एक्सश पर एक पोस्ट में कहा, श्भारतीय सेना, जम्मू–कश्मीर पुलिस और खुफिया एजेंसियों द्वारा 26 अक्टूबर को चलाये गये एक संयुक्त अभियान में कुपवाड़ा सेक्टर में एनओसी पर सतर्क जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया,श पोस्ट में कहा गया कि अभियान जारी है। वहीं इससे पूर्व बीते 10 अक्टूबर को सुरक्षाबलों ने शोपियां जिले में मुठभेड़ में लश्कर–ए–तैयबा के दो आतंकवादियों को मार गिराया था। इस दौरान पुलिस ने बताया था कि शोपियां के अलीशपोरा में सुरक्षाबलों द्वारा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू करने के बाद मुठभेड़ शुरू हुई।

# अमेरिका में एक बंदूकधारी ने की अंधाधुंध फायरिंग, 22 लोगों की मौत, दर्जनों घायल

न्यूयार्क। अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ली रही हैं। ताजा मामला मेने राज्य के लेविस्टन से आया है। एक शख्स द्वारा की गई अंधाधुंध फायरिंग में कम से कम 22 लोग मारे गए हैं जबकि दर्जनों की संख्या में लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में कुछ की हालत गंभीर हैं। पुलिस के मुताबिक बुधवार रात को एक सक्रिय शूटर ने इस गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया है।

एंड्रोस्कोगिन काउंटी शेरिफ कार्यालय (पुलिस) ने अपने फेसबुक पेज पर संदिग्ध की दो तस्वीरें जारी की, जिसमें एक बंदूकधारी अपने कंधे पर हथियार उठाए हुए एक प्रतिष्ठान में प्रवेश कर

रहा है। पुलिस ने हमलावर की फोटो जारी करते हुए लोगों से मदद मांगी है। फोटो में लंबी बाजू की शर्ट और जींस पहने एक दाढ़ी वाला व्यक्ति फायरिंग राइफल पकड़कर गोलीबारी कर रहा है।लेविस्टन में सेंट्रल मेने मेडिकल सेंटर ने एक बयान जारी कर कहा कि बड़े पैमाने पर लोग हताहत हुए हैं। घायलों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। लेविस्टन एंड्रोस्कोगिन काउंटी का हिस्सा है और मेने के सबसे बड़े शहर पोर्टलैंड से लगभग 35 मील (56 किमी) उत्तर में स्थित है। एंड्रोस्कोगिन काउंटी शेरिफ के ऑफिस ने बयान जारी करते हुए कहा, "हम मामले की जांच कर रहे हैं और सभी व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठान बंद करने की अपील कर रहे हैं।' मेने डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी के एक प्रवक्ता ने लोगों से अपने घरों में दरवाजे बंद करके रहने का आग्रह किया हैं। सन जर्नल ने लेविस्टन पुलिस प्रवक्ता का हवाला देते हुए कहा कि तीन अलग–अलग प्रतिष्ठानों में गोलीबारी की खबर है जिनमें स्पेयरटाइम रिक्रिएशन, स्कीमेंजीस बार एंड ग्रिल रेस्तरां, और एक वॉलमार्ट डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर शामिल हैं।

दून वैली मेल

## संपादकीय

# श्रेय की राजनीतिक की जय हो

आखिरकार दशकों से अधर में लटकी जमरानी बहुउददेश्यीय बांध परियोजना को केन्द्र सरकार की आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा मंजूरी दे ही दी गयी। इस परियोजना के पूरे होने पर उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश को बडा फायदा मिलेगा। 14 मेगावाद बिजली उत्पादन क्षमता वाली इस परियोजना से सिर्फ ऊर्जा की स्थिति में सुधार नहीं आयेगा अपितु हल्द्वानी, नैनीताल और ऊध मसिंह नगर क्षेत्र की पेयजल और सिंचाई संबंधी दिक्कत भी दूर हो जायेगी। वहीं उत्तर प्रदेश के कानपुर, बरेली आदि जिलों में सिंचाई संसाधन और अधिक सदृढ हो सकेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है कि उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस परियोजना को मंजूरी दिलाने के भरपूर प्रयास किये। उन्होंने इसकी मंजूरी मिलने पर केन्द्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार भी व्यक्त किया है लेकिन यह विडम्बना ही है कि हमारे देश के नेताओं को हर महत्वपूर्ण काम की याद तभी आती है जब चुनाव सर पर होते हैं। केन्द्र में बीते दस सालों से भाजपा की सरकार को तथा राज्य में भी 6 साल से अधिक समय से भाजपा सत्ता में लेकिन उसे जमरानी बांध परियोजना को आगे बढाने ना तो याद आई और न ही उसने इसकी जरूरत समझी। अब 2024 के चुनाव जब सामने खडे हैं तब केन्द्रीय मंत्री मंडल समिति ने जमरानी बांध परियोजना पर काम शुरू करने की मंजूरी दी गयी है। दरअसल सत्ताधारी दलो द्वारा चुनावी साला के लिए तमाम ऐसे मामलों की सूची तैयार रखी जाती है जिन्हें अपनी उपलब्धियोंके तौर पर पेश किया जा सके। ऐसा नहीं है कि जमरानी बांध परियोजना कोई नई सोच है। 1960 से इसकी मांग की जा रही थी ऐसा भी नहीं है कि पुष्कर सिंह धामी ऐसे पहले मुख्यमंत्री है जिन्होंने इसकी पहल की है। राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा भी इसकी भरपूर कोशिश की गयी लेकिन उन कोशिशों को अंजाम तक नहीं पहुंचाया गया क्योंकि वर्तमान दौर में सेवा की नहीं श्रेय की राजनीति सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो गयी है। अभी केन्द्र सरकार द्वारा नये संसद भवन में पहले सत्र के दौरानलाये महिला आरक्षण को हम एक उदाहरण के तौर पर ले सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस बिल पर चर्चा के दौरान हमने अपनी पीठ खुद ही थपथपा दी थी। उनका कहना था उसनेइस बिल को लाने का प्रयास किया और इसने भी प्रयास किया किन्तु कुछ खास काम ऊपर वाले ने मेरे द्वारा किये जाने के लिए मुझे यहां भेजा है यह काम भी मेरे द्वारा ही होना था और अब काम को होने में 10 या 15 साल लग जाए लेकिन भाजपा व प्रधानमंत्री को इसका श्रेय लेने का जो काम करना वह जरूर उन्होंने 2024 से पहल ही करके दिखा दिया। प्रधानमंत्री मोदी इस महिला आरक्षण बिल और जमरानी बांध परियोजना को ले तो हर अच्छे काम के अवसर तय किये जाते है और श्रेय का लाभ कितना मिलेगा का मापदंड सामने रखकर ही हर काम किया जाता है। महिलाओं को आरक्षण कब मिलेगा पता नहीं वहीं परियोजना को पूरा होने में 5 साल का समय लगेगा यह तय है। वह भी तब जब काम निर्बाध होगा। खैर यह भी कुछ कम सुखद अहसास नहीं है कि देश में कुछ हो रहा है वरना पहले की सरकारों ने इसे 48 साल से लटका रखा था।

# सीएम धामी ने चेन्नई में पार्थसारथी मंदिर में की पूजा अर्चना

चेन्नई (कासं)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को ट्रिप्लीकेन, चेन्नई में स्थित भगवान विष्णु के अलौकिक अवतार पार्थसारथी भगवान के पौराणिक मंदिर में पूजा अर्चना की और समस्त प्रदेश वासियों की उन्नति और कुशलक्षेम के लिए भगवान विष्णु से प्रार्थना की । पार्थसारथी मंदिर में भगवान विष्णु के चार अवतारों कृष्ण, राम, नृसिंह और भगवान वराह की पूजा होती है। मंदिर का इतिहास सदियों पुराना है और इसकी वास्तुकला अद्भुत है।

गिरा यदी सबन्धव: पञ्च व्राता अपस्यव:।
परिष्कृण्वन्ति धर्णसिम्।।
(ऋग्वेद ९-१४-२)

जब पांच ज्ञानेंद्रियां धर्म के नियम के अनुसार पांच कर्मेंद्रियों को दूसरों के कल्याण के लिए लगा देती हैं, तो ईश्वर परायण हो जाती है। इससे पृथ्वी अलंकृत हो जाती है।

# सीमांत के ओबीसी समुदाय को ईडब्ल्यूएस दिए जाने का मामला शासन के पाले में

कार्यालय संवाददाता

पिथौरागढ़। चीन सीमा से लगे मुनस्यारी तथा धारचूला विकासखंड के पिछड़ी जाति में घोषित समुदाय के लोगों को ईडब्ल्यूएस का लाभ दिए जाने का मामला उत्तराखंड शासन स्तर पर पहुंच गया है। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद समाज कल्याण विभाग को मामला हस्तांतरित कर दिया गया है। शासन स्तर पर हुई हलचल के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि इस समुदाय को इस बार न्याय मिलेगा। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने इस मामले को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन देकर उठाया था

जिला पंचायत सदस्य मर्तोलिया का कहना है कि विकासखंड मुनस्यारी तथा धारचूला के पिछड़ी जाति में घोषित समुदाय को केंद्रीय पिछड़ी जाति का आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

केंद्रीय आरक्षण मिलने तक इस समुदाय के लोगों को ईडब्ल्यूएस का लाभ दिए जाने का मामला जोर पकड़ता जा रहा है। इस संदर्भ में राज्य सरकार के साथ दर्जनों बार पत्राचार किया गया, लेकिन इस मामले में अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है।

उन्होंने बताया कि पिछड़ी जाति के आरक्षण का लाभ केवल राज्य सरकार की नौकरियों में ही मिल रहा है। केंद्र सरकार की नौकरियों में दोनों विकास खंडों के पिछड़ी जाति समुदाय को आरक्षण

**❑जिपंस मर्तोलिया के पत्र पर मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान**
**❑केंद्रीय आरक्षण मिलने तक मिले ईडब्ल्यूएस का लाभ**

का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

दोनों विकास खंडों की पिछड़ी जाति समुदाय को केंद्रीय पिछड़ी जाति का आरक्षण दिए जाने का मामला सरकारों के द्वारा ठंडा बस्ते में डाल दिया गया है।

उन्होंने बताया कि राज्य में पिछड़ी जाति के रूप में घोषित दोनों विकास खंडों के उक्त समुदाय को ईडब्ल्यूएस का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

स्थानीय प्रशासन का कहना है कि ईडब्ल्यूएस का लाभ सामान्य जाति के लोगों को ही मिलेगा। केंद्रीय आरक्षण में मुनस्यारी तथा धारचूला विकासखंड की पिछड़ी जाति भी सामान्य समुदाय की तरह प्रतिभाग कर रही है। इसलिए केंद्र सरकार के सरकारी पदों की भर्ती में दोनों विकास खंडों के पिछड़ी जाति में घोषित समुदाय को ईडब्ल्यूएस का लाभ दिया जाना चाहिए।

इस संदर्भ में भेजे गए ज्ञापन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अनुसूची जेपी बेरी ने सचिव समाज कल्याण विभाग उत्तराखंड शासन को यह प्रस्ताव भेजते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। वर्षों से चल रहे इस मामले में जिला पंचायत सदस्य मर्तोलिया के पत्र पर मुख्यमंत्री द्वारा संज्ञान लिए जाने के बाद इस मामले में कुछ सकारात्मक कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने बताया कि प्रधानमंत्री के विकासखंड धारचूला के दौरे के दौरान इस मुद्दे पर घोषणा की आशा की जा रही थी ,लेकिन इस समुदाय को इस दौरे से भी इस मामले में निराशा ही हुई है।

उन्होंने कहा कि अगर सरकार इस मामले में तत्काल फैसला नहीं लेती है, तो इस समुदाय को साथ में लेकर राज्य तथा केंद्र सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू किया जाएगा।

# बिजली घर हटाकर सेतु बनाने की मांग को लेकर बैठक

संवाददाता

हरिद्वार। बिजली घर हटाकर वहां पर सेतु बनाने की मांग को लेकर व्यापारियों ने बैठक की।

आज यहां श्रवननाथ बाजार कुशा घाट मार्ग पुराना15 नंबर बिजली घर हटाकर मां गंगा पर सेतु के निर्माण की मांग को लेकर पूर्व मंडी अध्यक्ष भाजपा नेता संजय चोपड़ा की अध्यक्षता में कंधारी धर्मशाला स्थित कार्यालय पर स्थानीय व्यापारियों ने की बैठक। बैठक के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हरिद्वार के लोकसभा सांसद डॉ रमेश पोखरियाल निशंक को संयुक्त रूप से ईमेल द्वारा ज्ञापन प्रस्तुत कर पुराना 15 नंबर बिजली घर हटाकर पुल बनाए जाने की मांग को स्थानीय व्यापारियों ने प्रमुखता से दोहराया। इस अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष वरिष्ठ व्यापारी नेता संजय

चोपड़ा ने कहा 2010 के कुंभ के उपरांत पुराना 15 नंबर बिजली घर के सारे उपकरण लालजी वाला बिजली घर में समाहित किए जा चुके हैं इस रिक्त स्थान पर यदि पुल का निर्माण होता है तो मनसा देवी चंडी देवी जाने वाले तीर्थ यात्रियों को अतिरिक्त सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि रोड़ी बेल वालाए मोती बाजार राम बाजार पुरानी सब्जी मंडी चौक आने जाने वाले तीर्थ श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार की ओर से प्राथमिकता के आधार पर 15 नंबर बिजली घर के स्थान पर सेतु का निर्माण किया जाना न्याय संगत होगा। बैठक में अपने विचार व्यक्त करते व्यापारी नेता राजेश खुरानाएसंजय बंसलए अवधेश कोठियाल एश्यामसुंदर राजपूतएराजेश दुआ एकुंवर सिंह मंडवालए राधेश्याम रतूड़ीए रवि सभरवालए हंसराज दुआएअखिलेश सिंह, मनीष शर्मा, तारकेश्वर प्रसाद, मनोज खुराना, रवि मित्तल आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

# मेक्सिको में आयोजित थोक बाजार विश्व संघ सम्मेलन में कृषि मंत्री ने किया प्रतिभाग

कार्यालय संवाददाता

मेक्सिको। प्रदेश के कृषि मंत्री एवं भारत के राज्यों के कृषि विपणन बोर्ड के राष्ट्रीय संघ (कौसाम्ब) के अध्यक्ष गणेश जोशी ने मेक्सिको के कनकुन में थोक बाजार के वैश्विक संघ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय थोक बाजारों का विश्व संघ सम्मेलन 2023 में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से भी भेंट की। थोक बाजार के विश्व संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में खाद्य बाजार का भविष्य उपभोक्ताओं की अपेक्षानुरूप, थोक एवं फुटकर बाजार का आधुनीकरण: वर्ष 2030 तक, विषय पर कनकुन, मैक्सिकों में 25 से 28 अक्टूबर तक आयोजित सम्मेलन में विश्व के विभिन्न देशों के 300 प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

सुबे के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने विश्व के प्रतिनिधियों से कृषि विपणन के आधुनीकिरण क सम्बन्ध में विचार साझा किए गए। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के बाद वैश्विक स्तर पर लोगों का विश्वास भारत पर बढ़ा है। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि विपणन के सम्बन्धित 165 देश के प्रतिनिधि इस राष्ट्रीय सम्मेलन में कार्यक्रम में आए हैं और सभी ने अपने अनुभवों को साझा किया है। मंत्री जोशी ने कहा इस राष्ट्रीय सम्मेलन से जो मंथन निकलकर आएगा, वह निश्चित ही वैश्विक स्तर पर एक मिल का पत्थर साबित होगा। कृषि मंत्री ने प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर सबमिट के लिए भी प्रदेश में कृषि एवं औद्यानिक क्षेत्र में रुचि रखने वाले विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों को उत्तराखण्ड आने का न्योता दिया गया है। जिस पर जर्मनी, अर्जेंटीना, मेक्सिको और यूएस के लोगों ने उत्तराखंड में निवेश करने के लिए अपनी सहमति प्रदान की है। उन्होंने कहा जिस प्रकार प्रदेश में धामी सरकार इन्वेस्टरों को निवेश के लिए एक अच्छा वातावरण दे रही है, उससे दिसंबर माह में आयोजित होने वाले इन्वेस्टर सबमिट के लिए भी यह एक सफल पहल होगी।

# रिवर्स माइग्रेसन के दावे धरातल पर तोड़ रहे है दमः बिष्ट

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड सरकार लगातार रिवर्स माइग्रेसन के दावे कर रही है, सरकार के यह दावे धरातल पर दम तोडते हुए नजर आ रहे हैं इसका जीता जागता उदाहरण उद्यान विभाग की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं एवं मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना और पीएम स्वनिधि योजना में सरकार की उदासीनता के कारण प्रदेश के लाखों बेरोजगारों के सपने चूर हो रहे हैं। जिस कारण युवा पलायन के लिए मजबूर है।

उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता शीशपाल सिंह बिष्ट ने आज बयान जारी करते हुए यह बात कही। उन्होने कहा कि सरकार के दावे हैं कि प्रदेश में स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। लेकिन हकीकत यह है कि उद्यान विभाग ने 2022-23 में नाबार्ड से 17हजार पॉली हाउस के लिए सस्ता ऋण मांगा था, जो स्वीकृत भी हो गया था और नाबार्ड में 99 करोड़ रुपये मोबिलाईजेशन मनी के रूप में जारी कर दिए थे। फिर यह पैसा बेरोजगारों को क्यों नही जारी किया गया समझ से परे है। अब विभागीय सचिव कह रहे हैं कि इसके लिए पहले टेंडर जारी किए गये थे जो निरस्त कर दिए गए हैं अब नये सिरे से टेंडर जारी होंगे, आखिर उद्यान विभाग कब तक टेंडर निरस्त करता रहेगा और प्रदेश का बेरोजगार स्वरोजगार के सपने देखता रहेगा मगर उसके सपने पूरे नहीं होंगे। कहा कि उद्यान विभाग प्रदेश के युवाओं को बडे बडे सपने तो दिखा देता है लेकिन स्वंय का होमवर्क पूरा नही करता जिस कारण युवाओं को योजना का लाभ लेने के लिए विभाग के दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं और वह पलायन के लिए मजबूर हो जाता है।

बिष्ट ने कहा कि यह मामला केवल उद्यान विभाग तक सीमित नहीं है सरकार की दूसरी योजनाओं का भी यही हाल है मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना हो या राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत पीएम स्वनीधि योजना इन योजनाओं में भी सरकार ने युवाओं को स्वरोजगार के बडे बडे सपने दिखाए। प्रदेश के हजारों युवाओं में सरकार की घोषणाओं को सच मानकर इन योजनाओं में हजारों आवेदन किए मगर आवेदन किए इनमें से 90 प्रतिशत आवेदन तो निरस्त कर दिए गए, 10 प्रतिशत के आसपास आवेदन स्वीकृत भी हुए, वे भी बैंकों में लंबित हैं। बैंक युवाओं के स्वीकृत ऋण आवेदनों पर भी गंभीर नही है और यह सभी स्वीकृत हजारों ऋण आवेदन बैंकों में लंबित है। सरकार को युवाओं के भविष्य की कोई चिंता नहीं हैं अगर सरकार युवाओं के स्वरोजगार को लेकर गंभीर होती तो समय समय पर इन योजनाओं की समीक्षा करती और लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही करती।

उन्होने कहा कि कांग्रेस सरकार से मांग करती है कि चाहे उद्यान विभाग की पॉली हाउस योजना हो या मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना हो या पीएम स्वनीधि योजना इन सभी योजनाओं में प्रदेश के बेरोजगार नौजवानों जो आवेदन किए है उनमें से जो 90 प्रतिशत आवेदन विभागों ने निरस्त कर दिए हैं वो सभी आवेदन स्वीकृत किए जाए।

# कमीशन के नाम पर ठगे डेढ लाख रुपये, डीएम के आदेश पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। कमीशन के नाम पर डेढ लाख रूपये की ठगी के मामले में जिलाधिकारी के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर निवासी बन्देश चौहान ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके मोबाइल पर एक कम्पनी का मैसेज आया प्रिंयका रिक्रूटर फरोम अबाय इस पर इन्होंने पैसे लगाने के लिए बोला उसने एक हजार रूपये लगाये तो उन्होंने उसको 1300 रूपये वापस कर दिये। उसने तीन हजार रूपये लगाये तो उसको चार हजार रूपये वापस कर दिये ऐसा करते हुए उसने एक लाख सतावन हजार रूपये लगा दिये जिसके बाद उन्होंने कोई पैसे वापस नहीं किये। बार-बार मैसेज करने पर उसको चार लाख रूपये ओर लगाने के लिए बोल रहे हैं। ऐसा ना करने पर उसके एक लाख सतावन हजार रूपये वापस ना देने के लिए बोल रहे हैं। जिलाधिकारी के आदेश पर रायपुर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर थाना पुलिस ने लांघा रोड तिराहे पर एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 56 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम राकेश गुप्ता पुत्र रामदेव गुप्ता निवासी सभावाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

# घर में तैयार करें नैचरल ऑइल ब्लेंड और पाएं निरोग त्वचा

पसीने के कारण खुजली की समस्या होना, रैशेज होना आम बात है। इसके साथ ही यदि नींद में कभी तेज खुजली करते समय नाखून लग जाए तो समस्या और अधिक बढ़ जाती है। इन सभी समस्याओं से बचने के लिए हम आज आपको यहां नैचरल ऑइल ब्लेंड घर पर ही तैयार करने का तरीका बता रहे हैं। ताकि आपकी स्किन कैमिकल मुक्त रहे और आप स्किन इंफेक्शन जैसी समस्याओं से भी बचे रहें...

घर में ब्लैंड तैयार करने के लिए चाहिए

-घर में नैचरल ऑइल ब्लैंड तैयार करने के लिए आपको तीन ऑइल्स की जरूरत है। कोकोनट वर्जिन ऑइल (नारियल वर्जिन तेल), ऑल्मंड ऑइल (बादाम का तेल) और क्लोव ऑइल (लौंग का तेल)। इन सभी तेल को एक निश्चित मात्रा में आपको मिलाना होगा। इस बारे में यहां बताया जा रहा है...

इन तेलों की खूबियां

नारियल तेलः त्वचा को प्राकृतिक रूप से नमी देने, ड्राइनेस से बचाने और त्वचा की कोशिकाओं को पोषण देने के लिए नारियल तेल एक बहुत ही अच्छा माध्यम है। यह एक ऐंटिबैक्टीरियल प्राकृतिक औषधि की तरह काम करता है।

बादाम का तेलः त्वचा को प्राकृतिक रूप से रंगत प्रदान करने, दाग-धब्बे मिटाने और त्वचा को स्मूदनेस देने के लिए बादाम का तेल बहुत ही उपयोगी होता है। यह आपकी त्वचा को डीप नरिशमेंट देने का काम करता है।

लौंग का तेलः यह तेल ऐंटिफंगल और ऐंटिएलर्जिक होता है। किसी भी तरह के पैथोजेन्स (बैक्टीरिया, फंगस और हानिकारक माइक्रोब्स) को आपकी स्किन पर ऐक्टिव नहीं होने देता है।

-इस कारण यदि आप किसी त्वचा पर होनेवाले संक्रमण की चपेट में आ भी जाते हैं तो यह ऑइल उस संक्रमण को बढ़ने से रोकता है। साथ ही आपका स्किन डिफेंस मैकेनिज़्म को अधिक मजबूत बनाने का काम करता है।

ऐसे तैयार करें ब्लैंड

-जैसा कि हमने आपको बताया कि घर पर नैचरल ऑइल ब्लैंड तैयार करने के लिए सबसे अधिक जरूरी है सही ऑइल्स का चुनाव और सही मात्रा में इनका उपयोग।

-घर पर ब्लैंड तैयार करने कि लिए आपको 2 टेबल स्पून नारियल वर्जिन तेल चाहिए और इतनी ही मात्रा में बादाम का तेल लें। अब इन दोनों तेल को एक साथ मिला लें।

-जब ये दोनों तेल एक साथ मिल जाए तो इनमें 1 से 2 बूंद तेल लौंग का तेल मिक्स करें। तीनों तेल को एक साथ अच्छी तरह मिला लें। ध्यान रखें कि लौंग का तेल 2 बूंद से ज्यादा नहीं होना चाहिए नहीं तो आपकी त्वचा की दिक्कत कम होने की जगह बढ़ सकती है।

अधिक मात्रा में बनाते हुए

-यदि आप इस ब्लैंड को एक बार में ही अधिक मात्रा में तैयार करना चाहते हैं तो इस बात की गांठ बांध लें कि आप नारियल वर्जिन तेल और बादाम तेल को बराबर मात्रा में मिला सकते हैं लेकिन इन दोनों तेलों की कुल मात्रा को मिलाकर, उसका 5 प्रतिशत ही लौंग का तेल रखना है।

रैशेज ना बढ़ने दे

-घर पर तैयार किया गया यह नैचरल ऑइल ब्लैंड आपको त्वचा पर रैशेज की समस्या से बचाएगा और यह समस्या अगर आपको हो चुकी है तो इसे जल्दी ठीक कर देगा।

एग्जिमा से बचाए

-एग्जिमा जैसी स्किन डिजीज होने से बचाएगा। यदि आपको किसी कारण यह रोग हो भी गया है तब भी खुजली को शांत करने और रोग को जल्दी ठीक करने के लिए आप इस ब्लैंड का उपयोग कर सकते हैं।

बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचाए

-कई बार गर्मी और पसीने के कारण त्वचा पर देर तक नमी बनी रहती है। इस कारण त्वचा पर हानिकार बैक्टीरिया ऐक्टिव हो जाते हैं और दाने, फुंसी या फोड़े जैसी समस्या की वजह बन जाते हैं।

-आप नहाने के बाद इस ब्लैंड से अपने पूरे शरीर को पोषण दें, आपको किसी तरह की समस्या नहीं होगी। साथ ही आपकी त्वचा प्राकृतिक रूप से स्वस्थ बनेगी।

# अगर आप भी चाहते हैं कि आपका दिमाग तेज हो तो आज से खाना शुरु कर दे ये चीजें

हम सभी जानते हैं कि एक तेज और सक्रिय दिमाग हमारे जीवन की सफलता का आधार है। चाहे वो पढ़ाई हो या नौकरी, हर जगह एक मजबूत दिमाग की आवश्यकता होती है।आज हम उन चीजों के बारे में बात करेंगे जो हमारे दिमाग को तेज और निरोगी बनाती हैं।आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमारा दिमाग काफी दबाव में रहता है। इसलिए जरूरी है कि हम अपने दिमाग का विशेष ध्यान रखें और उसे स्वस्थ बनाए रखने के लिए कुछ जरूरी कदम उठाएं।

आज हम उन सभी उपायों और आहारों के बारे में बात करेंगे जो हमारे दिमाग को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। एक स्वस्थ दिमाग न केवल हमारे काम को बेहतर बनाता है बल्कि हमारे जीवन की क्वालिटी भी सुधारता है। आइए जानते हैं एक तेज और स्वस्थ दिमाग के लिए क्या खाना जरूरी है।।।

अखरोट

अखरोट में ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे तत्व होते हैं जो दिमाग के स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। अखरोट खाने से ध्यान देने और समझने की क्षमता बढ़ती है। लेकिन इसे नियमित रूप से और सीमित मात्रा में खाना चाहिए। अधिक मात्रा में अखरोट खाने से वजन् बढ़ सकता है।

अंडा

अंडे में प्रोटीन, विटामिन बी12 और कोलीन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो दिमाग के विकास और कार्य के लिए बहुत लाभदायक होते हैं। अंडे सर्दी में पाए जाने वाला कोलीन न्यूरोट्रांसमीटर के रूप में कार्य करता है जो मस्तिष्क की कोशिकाओं के बीच संवाद को बेहतर बनाता है। प्रोटीन दिमाग कोशिकाओं के विकास और मरम्मत के लिए जरूरी होता है। ऐसे अंडा दिमाग के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है।

विटामिन बी12 स्मृति और ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है। इसलिए नियमित रूप से अंडा खाने से दिमाग तेज और फोकस करने में मदद मिल सकती है। लेकिन अत्यधिक मात्रा में अंडे खाने से कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है, इसलिए संतुलन बनाए रखना चाहिए।

मछली

मछली में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है जो दिमाग के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। यह मस्तिष्क की कोशिकाओं के विकास और कार्यक्षमता में सुधार करता हैमछली में विटामिन बी12, आयोडीन और जिंक जैसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं जो दिमाग के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी होते हैं मछली में प्रोटीन और अमीनो एसिड की अच्छी मात्रा होती है जो मस्तिष्क के कार्यों के लिए आवश्यक होते हैं। मछली खाने से मेमोरी और फोकस करने की क्षमता बेहतर होती है। इसलिए सप्ताह में 2-3 बार मछली खाना दिमाग के स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद है।

हल्दी

हल्दी में पाए जाने वाले एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुणों के कारण दिमाग में सूजन कम करता है। हल्दी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट मस्तिष्क की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं। यह ब्लड फ्लो और ऑक्सीजन सप्लाई बढ़ाकर मस्तिष्क को ऊर्जा देता है। हल्दी से मेमोरी पावर और फोकसिंग अबिलिटी भी बेहतर होती है। इसलिए खाने में हल्दी शामिल करना दिमाग के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

# भाजपा का दक्षिण का प्लान बेपटरी

भारतीय जनता पार्टी का दक्षिण भारत के पांच राज्यों का प्लान बेपटरी हो गया है। तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भाजपा ने बैकफुट पर है और उसे समझ में नहीं आ रहा है कि क्या करना चाहिए। तभी कई स्तर पर डैमेज कंट्रोल शुरू हुआ है हालांकि उसका कोई फायदा भी होता नहीं दिख रहा है। भाजपा ने पिछले दिनों कर्नाटक में जेडीएस के साथ तालमेल किया तो ऐसा माना गया कि यह मास्टरस्ट्रोक है, जिसका कांग्रेस के पास जवाब नहीं होगा। लेकिन यह तालमेल उलटा पड़ गया है। भाजपा और जेडीएस दोनों के अंदर बड़ा विवाद है। जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष सीएम इब्राहिम ने पार्टी के विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के साथ जाने का ऐलान किया। अब एचडी देवगौड़ा परिवार को उनको पार्टी से निकालेगा। दूसरी ओर भाजपा के वोक्कालिगा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री डीवी सदानंद गौड़ा इस तालमेल को लेकर नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। इससे पहले भाजपा ने तेलंगाना के लिए बड़ी महत्वाकांक्षी योजना बनाई थी। हैदराबाद नगर निगम में पार्टी के बड़े नेताओ ने प्रचार किया था और भाजपा के अच्छे प्रदर्शन के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के खिलाफ बड़ी मुहिम छेड़ी थी। इससे सत्ता विरोधी माहौल बना था। लेकिन अचानक किसी अज्ञात कारण से भाजपा पीछे हट गई, जिसका नतीजा यह हुआ है कि तेलंगाना में उसकी बनाई सत्ता विरोधी लहर का फायदा कांग्रेस को होता दिख रहा है। पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में भाजपा तय नहीं कर पा रही है कि वह मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की पार्टी के साथ परोक्ष तालमेल जारी रखे या चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी और पवन कल्याण की जन सेना पार्टी के साथ तालमेल करे। सो, उसकी योजना वहां भी आगे नहीं बढ़ पा रही है। तमिलनाडु में अन्ना डीएमके से भाजपा का तालमेल खत्म हो गया है। असल में डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन और ए राजा ने सनातन को लेकर विवादित बयान दिया, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरी भाजपा उनके ऊपर टूट पड़ी। इससे अन्ना डीएमके को बैकफुट पर आना पड़ा। तभी उसने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई द्वारा अपने नेताओं पर दिए बयान का बहाना बना कर गठबंधन तोड़ लिया। अब भाजपा के नेता एक तरफ अन्ना डीएमक को मनाने की कोशिश कर रहे हैं तो दूसरी ओर अकेले लडने़ की तैयारी भी कर रहे हैं। कोई आठ-नौ साल पहले भाजपा ने केरल में आक्रामक तरीके से अपना अभियान शुरू किया तो सुरेश गोपी उसके ट्रम्प कार्ड थे। मलयालम फिल्मों के बड़े सितारे सुरेश गोपी को पार्टी ने राज्यसभा में मनोनीत किया और उनकी पार्टी के साथ तालमेल किया। लेकिन अब वे भी दूरी बनाए हुए हैं। भाजपा ने उनको कोलकाता स्थिति सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीच्यूट का अध्यक्ष बना कर कोलकाता भेजने की प्लानिंग की थी। अब कहा जा रहा है कि वे भाजपा में शामिल हो सकते हैं। अगर वे भाजपा में शामिल हो जाते हैं तो यह भाजपा के लिए बड़ी बात होगी और तब वह केरल में मजबूती से तीसरे स्थान की राजनीति कर पाएगी।(आरएनएस)

# महिला रोजगार का ये हाल!

भारत के श्रम बाजार में अब सिर्फ 15.9 महिलाएं मौजूद हैं। ताजा आंकड़ा 2022-23 का है। चार साल पहले यानी 2018-19 में भारत में श्रम शक्ति में महिलाओं की भागीदारी 21.9 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा चौंकाने वाला- और संभवत- आहत करने वाला भी है कि नियमित वेतन वाली नौकरियों के दायरे में भारत के श्रम बाजार में अब सिर्फ 15.9 महिलाएं मौजूद हैं। ताजा आंकड़ा 2022-23 का है। चार साल पहले यानी 2018-19 में भारत में श्रम शक्ति में महिलाओं की भागीदारी 21.9 प्रतिशत थी। श्रम शक्ति में भागीदारी का अर्थ उन लोगों से होता है, जो या तो नौकरी में हों, या नौकरी की तलाश में हों। इसमें उन लोगों को शामिल नहीं किया जाता, जिन्हें नौकरी की जरूरत ना हो, या जिन्होंने नौकरी मिलने की संभावना से निराश होकर इसे ढूंढना ही छोड़ दिया हो। ताजा आंकड़े सरकार की आवधिक श्रम शक्ति सर्वे (पीएलएफएस) रिपोर्ट से सामने आए हैं। ये आंकड़े हाल में जारी किए गए। इस सर्वे में अपना कोई काम-धंधा कर रहे लगे लोगों को भी रोजगार प्राप्त व्यक्तियों की श्रेणी में गिना गया है। इस आधार पर बेरोजगारी घटने और महिलाओं-पुरुषों दोनों की श्रम शक्ति में भागीदारी बढने़ का दावा किया गया है। बीते हफ्ते इस बात का जिक्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी किया। लेकिन जब एक अंग्रेजी अखबार ने वेतनभोगी कर्मियों के बीच श्रम शक्ति भागीदारी दर का विश्लेषण किया, तो विपरीत तस्वीर सामने आई। सूरत यह उभरी कि 2019-19 के बाद से लगातार श्रम शक्ति में वेतनभोगी नौकरी वाली महिलाओं की संख्या गिरी है। पीएलएफएस का यह आंकड़ा गौरतलब है कि देश के कुल कामकाजी लोगों में 57.3 प्रतिशत लोग स्वरोजगार में हैं, लेकिन महिलाओं के बीच यह संख्या 65.3 फीसदी है। बहरहाल, सरकारी दावे के मुताबिक मान लिया जाए कि स्वरोजगार भी रोजगार है, तो यह देखना दिलचस्प होगा कि स्वरोजगार वाले लोगों की औसत आय क्या है। खुद पीएलएफएस बताता है कि 2022-23 में स्वरोजगार वाले व्यक्तियों की औसत मासिक आय 13,347 रुपये थी। इतनी रकम पर जिंदगी गुजारने वाला परिवार आखिर किस वर्ग में आएगा और उसके उपभोग का स्तर क्या होगा, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। सार यह है कि आंकड़ों के हेरफेर से खुशहाली की तस्वीर सिर्फ सुर्खियों में पेश की जा सकती है- जबकि आंकड़ों के बारीक विश्लेषण से उसकी पोल खुल जाती है। (आरएनएस)


## वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन


# बच्चों की सेहत के लिए ठीक नहीं है चकोतरा

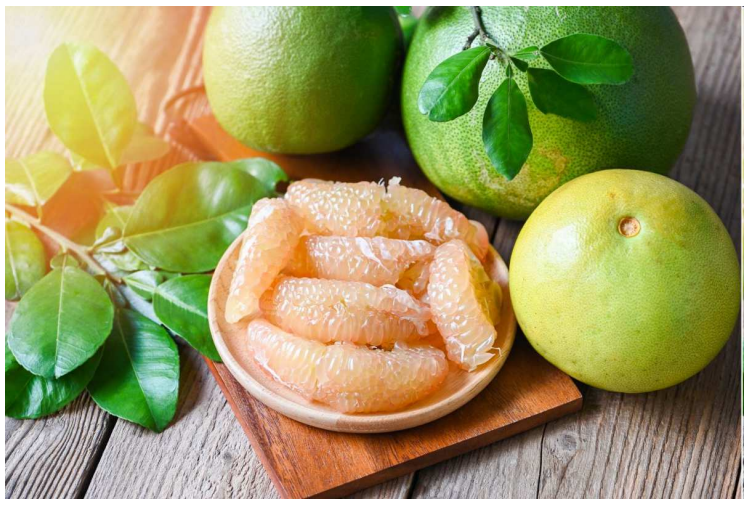

फल खाने से सेहत दुरुस्त रहती है। यह हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद होती है। बच्चों को भी कम उम्र से ही हेल्दी चीजें जैसे फल खाने की आदत डलवानी चाहिए। हालांकि, कुछ फल बच्चों की सेहत के लिए ठीक नहीं माने जाते हैं। इनमें चकोतरा भी शामिल है। चकोतरा सेहतमंद फल माना जाता है। हालांकि बच्चों को ये फल खिलाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। वरना उन्हें नुकसान हो सकता है। आइए जानते हैं बच्चों को कब चकोतरा खिलाना चाहिए और कब नहीं।।।

बच्चों को 12 महीने की उम्र से पहले कभी भी खट्टे फल न खिलाने की सलाह दी जाती है। दरअसल, ये फल एसिडिक होते हैं। जिसकी वजह से बच्चे की स्किन पर दाने निकल सकते हैं। हालांकि, पीडियाट्रिशियन की सलाह पर 6 महीने के बाद बच्चों को चकोतरा खिला सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगर कोई बच्चा कैल्शियम एंटागोनिस्ट, सिसाप्राइड और सिक्लोस्पोरिन जैसी दवाईयां ले रहा है तो उन्हें चकोतरा नहीं देना चाहिए। क्योंकि चकोतरा खाने से दवा का असर और बायो अवेलिबिलिटी प्रभावित हो सकता है। अगर आपका शिशु कोई दवा ले रहा है तो बच्चों को चकोतरा या उससे बना कोई भी प्रोडक्ट्स खिलाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

चकोतरा कितना फायदेमंद

चकोतरा का गूदा विटामिन ए और सी के साथ पोटेशियम से भरपूर है। इसमें लाइकोपेनिया और नरिंगिन जैसे कई फाइटोकेमिकल्स पाए जाते हैं। इसलिए बच्चों के आहार को संतुलित बनाने के लिए उन्हें चकोतरा दे सकते हैं। चकोतरा में पानी और पोटेशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स की हाई मात्रा छोटे बच्चों को डिहाइड्रेशन से बचा सकता है। पानी और डायटरी फाइबर की वजह से यह फल बच्चों की आंत को एक्टिव रखने और पाचन में मददगार होता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला फिनोल और फ्लेवेनोन जैसे कंपाउंड्स गट माइक्रोबायोटा को बढ़ावा देने में काफई मददगार हो सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक साल से कम उम्र के बच्चों को फलों का रस देना ठीक नहीं होता है। उन्हें चकोतरा ही नहीं किसी भी फल का जूस नहीं देना चाहिए। जूस के मुकाबले फल ज्यादा अच्छे माने जाते हैं। जूस में शुगर की ज्यादा मात्रा होने से दांतों में कैविटी की आशंका रहती है। इसकी वजह से दस्त की समस्या भी हो सकती है। इसलिए एक साल से कम उम्र के बच्चों को फलो का जूस नहीं देना चाहिए।

# कांग्रेस राष्ट्रीय गठबंधन नहीं करेगी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन करे। उन्होंने मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए कुछ सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है और अब चाहते हैं कि वो सीटें कांग्रेस छोड़ दे। हालांकि कांग्रेस इसके लिए तैयार नहीं हो रही है। कांग्रेस का कहना है कि वह भी समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन चाहती है लेकिन सपा पहले से घोषित अपनी सीटों पर लडने़ के लिए अड़ी है। इस गतिरोध के बीच अखिलेश यादव ने कहा है कि कांग्रेस को तय करना है कि वह राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन करेगी या राज्य के स्तर पर।

इस पर कांग्रेस के एक जानकार नेता का कहना है कि कांग्रेस स्वाभाविक रूप से राज्यों के स्तर पर गठबंधन करेगी। वह क्यों प्रादेशिक पार्टियों के साथ राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन करे? असल में कांग्रेस के साथ विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल पार्टियां राष्ट्रीय स्तर पर तालमेल की बात कर रही हैं। इससे सभी पार्टियों के लिए कुछ सीटें छोडनी़ होंगी। जैसे सपा अभी मध्य प्रदेश में मांग रही है सीट तो एनसीपी किसी और राज्य में मांगेगी, राजद की मांग किसी और राज्य में होगी तो जदयू कहीं और सीट मांगेगी। इससे कांग्रेस का अपनी समीकरण बिगड़ेगा। इसलिए कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि वह राज्यों में प्रादेशिक पार्टियों की स्थिति का आकलन करने के बाद ही तालमेल करेगी। दूसरी ओर प्रादेशिक पार्टियां भी उसके साथ ऐसा ही बरताव करेंगी। वे भी अपने असर वाले राज्यों में कांग्रेस की स्थिति का आकलन करके उसके लिए सीट छोड़ेंगी।(आरएनएस)

## शब्द सामर्थ्य -071

(भागवत साहू)

**बाएं से दाएं**

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

**ऊपर से नीचे**

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

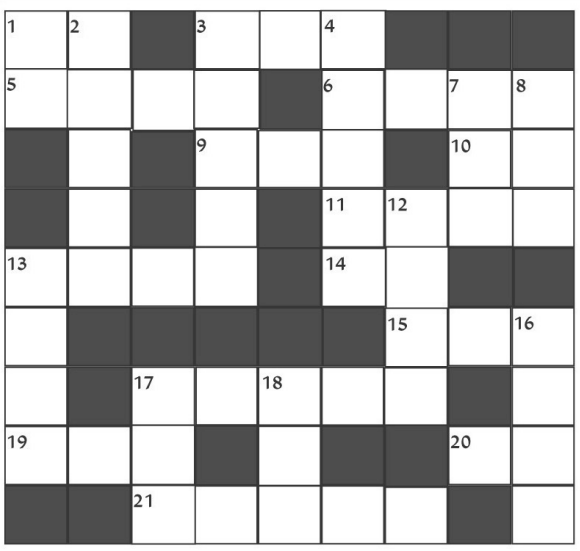

**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 70 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वा | स्ता | ■ | ■ | सि | स | की | ■ | ■ |
| जि | ■ | ल | प | ट | ■ | मा | चि | स |
| ब | द | ला | ■ | क | ■ | ■ | ल | ■ |
| ■ | ■ | ट | ■ | नी | ल | क | म | ल |
| ता | ली | ■ | का | ■ | की | ■ | ■ | हू |
| क | ■ | स | रो | का | र | ■ | ■ | लु |
| झां | ■ | ज | बा | न | ■ | म | सी | हा |
| क | च | ना | र | ■ | भा | र्या | ■ | न |
| ■ | र्म | ■ | ■ | ज | र | दा | ■ | ■ |

# एक भावुक प्रेम कहानी है कलर्स का नया शो चांद जलने लगा : कनिका मान

कलर्स के नए शो चांद जलने लगा में मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री कनिका मान ने शो में अपने किरदार के लिए की गई तैयारियों पर खुलकर बात की।

चांद जलने लगा में विशाल आदित्य सिंह और कनिका, देव और तारा की भूमिका में हैं। शो की कहानी बचपन के प्?यार की असाधारण यात्रा को रेखांकित करती है, जो कभी एक-दूसरे के सहारा थे, लेकिन किस्मत उन्हें अलग कर देती है।

जैसा कि सदियों पुरानी कहावत है प्यार वह आग है जो दिल को जला देती है, चांद जलने लगा वह धधकती आग है, जो साल की सबसे भावुक प्रेम कहानी होने का वादा करती है।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कनिका ने कहा, मैं तारा की भूमिका निभाती नजर आऊंगी। वह एक तेजस्वी और प्रतिबद्ध युवा महिला है जो अपने घावों को छिपाने के लिए दिखावा करती है।

कनिका ने कहा, वह एक इंटीरियर डिजाइनर के रूप में अपने करियर में काफी प्रगति कर रही है, और वह अपने परिवार की शांतिदूत है। अपनी शांत उपस्थिति के तहत, तारा को अपने बचपन के दोस्त देव की यादें सता रही हैं।

अभिनेत्री ने कहा, तारा एक आत्मविश्वासी और मजबूत लड?ी है जो किसी से नहीं डरती। एक बच्ची के रूप में, वह लगभग हर चीज से डरती थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, वह स्वतंत्र और आत्मविश्वासी हो गई है। उन्होंने साझा किया, मुझे लगता है कि एक कलाकार के लिए सबसे अच्छी तैयारी स्क्रिप्ट को अच्छी तरह से पढ़ना है। इससे मुझे चरित्र की पृष्ठभूमि, उद्देश्यों और भावनाओं को समझने में मदद मिली। प्रोजेक्ट चुनने के प्रति अपने दृष्टिकोण का खुलासा करते हुए अभिनेत्री ने कहा, स्क्रिप्ट की गुणवत्ता और समग्र कहानी मेरी प्राथमिकता रही है। मैं अच्छी तरह से लिखी गई, आकर्षक और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं की तलाश में हूं जो मुझे अपनी कला दिखाने और दर्शकों से जुड़ने का मौका दे।

# सुहाना की फिल्म द आर्चीज का पहला गाना सुनोह जारी

जब से जोया अख्तर ने अपनी फिल्म द आर्चीज की घोषणा की है, यह लगातार चर्चा में हैंइस फिल्म के जरिए अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा, जाह्नवी कपूर की बहन खुशी कपूर और शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाली हैंद आर्चीज का पहला गाना सुनोह रिलीज हो चुका है, जिसे काफी प्यार मिल रहा हैअब शाहरुख ने सुहाना की प्रशंसा की और इस गाने को अनोखा और शानदार बताया।

शाहरुख ने हाल ही में अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर सुनोह की एक झलक साझा की हैउन्होंने लिखा, यह द आर्चीज की दुनिया बहुत अनोखी और सुंदर है। साथ ही इस गाने की ये अपने जूते को अपने पैरों के नीचे पहियों के बदले में बदलना मेरी प्रेरणा स्त्रोत बन गई हैबता दें, सुनोह गाना अंग्रेजी में रिलीज हुआ है और यह उसी गाने की पंक्ति हैंद आर्चीज 7 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

# टाइगर श्रॉफ की गणपत के सामने बंपर कमा रही रवि तेजा की फिल्म

रवि तेजा-स्टारर 'टाइगर नागेश्वर राव' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फाइनली ये फिल्म इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म को रिलीज के पहले दिन दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और इसने शानदार ओपनिंग की थी। वहीं फिल्म में रवि तेजा की एक्टिंग की भी खूब तारीफ हो रही है। चलिए यहां जानते हैं 'टाइगर नागेश्वर राव' ने रिलीज के दूसरे दिन कितने करोड़ का कारोबार किया है।

'टाइगर नागेश्वर राव' का डायरेक्शन वामसी ने किया है और ये एक तेलुगु पीरियल एक्शन थ्रिलर फिल्म है। रवि तेजा की इस फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस से मिला जुला रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म की कमाई की बात करें तो इसने रिलीज के पहले दिन 8.2 करोड़ का कलेक्शन किया था। जिसमें तेलुगु में 8 करोड़ का कारोबार किया था और हिंगी में फिल्म ने 20 लाख की कमाई की थी। वहीं अब फिल्म की रिलीज के दूसरे दिन यानी शनिवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक 'टाइगर नागेश्वर राव' की शनिवार यानी दूसरे दिन की कमाई 4.87 करोड़ रुपये हो सकती है। इसी के साथ 'टाइगर नागेश्वर राव' की दो दिनों की कुल कमाई अब 13.07 करोड़ रुपये हो गई है।

बता दें कि शुक्रवार को सिनेमाघरों में टाइगर श्रॉफ की 'गणपत' भी रिलीज हुई थी लेकिन इस फिल्म को दर्शकों से खास रिस्पॉन्स नहीं मिला है। फिल्म ने ओपनिंग डे पर महज 2.50 करोड़ का कलेक्शन किया और दूसरे दिन यानी शनिवार को भी 'गणपत' की कमाई 2.36 करोड़ है। यानी 'गणपत' का दो दिनो का कुल कलेक्शन सिर्फ 4.87 करोड़ हो पाया है। जबकि रवि तेजा की फिल्म की दो दिनों की कलु कमाई 13 करोड़ से ज्यादा है। ऐसे में टाइगर श्रॉफ की फिल्म के आगे रवि तेजा की फिल्म ही बंपर कमाई कर रही है। बता दें कि 'टाइगर नागेश्वर राव' में रवि तेजा के अलावा नुपुर सेनन, गायत्री भारद्वाज, अनुपम खेर, रेनू देसाई, जिशु सेनगुप्ता और मुरली शर्मा प्रमुख भूमिकाओं में हैं ये फिल्म तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज हुई है।

# अगले साल रिलीज होगी इमरजेंसी, कंगना रनौत ने किया ऐलान

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने घोषणा की है कि उनकी फिल्म इमरजेंसी अगले साल रिलीज होगी। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इसकी घोषणा की। कंगना ने लिखा, डियर फ्रेंड्स, मुझे एक जरूरी अनाउंसमेंट करनी है, इमरजेंसी एक कलाकार के रूप में मेरे जीवन की सीख और कमाई है।

इमरजेंसी मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह एक इंसान के रूप में मेरे मूल्य और चरित्र की परीक्षा है। हमारे टीजर और अन्य यूनिट्स से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया ने हम सभी को काफी उत्साहित किया है।

मेरा दिल ग्रेटिट्यूड से भरा हुआ है और मैं जहां भी जाती हूं लोग मुझसे इमरजेंसी की रिलीज डेट के बारे में पूछते हैं।

उन्होंने कहा, हमने इमरजेंसी रिलीज की तारीख 24 नवंबर 2023 अनाउंस की थी, लेकिन मेरी बैक-टू-बैक रिलीज होने वाली फिल्मों के कैलेंडर में सभी बदलावों और 2024 के लास्ट क्वार्टर के ओवर पैक होने के कारण हमने इमरजेंसी को अगले साल (2024) में शिफ्ट करने का फैसला किया है।

कंगना ने कहा कि जल्द ही नई रिलीज डेट की घोषणा की जाएगी।

नई रिलीज की तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी, कृपया अपना साथ बनाए रखें। फिल्म के लिए आपकी प्रत्याशा, जिज्ञासा और उत्साह बहुत मायने रखता है, आपकी कंगना रनौत।

इमरजेंसी कंगना रनौत द्वारा निर्देशित और निर्मित एक जीवनी पर आधारित ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म है।

भारत के आपातकाल पर आधारित इस फिल्म में कंगना ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है। फिल्म में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

# वेब सीरीज एस्पिरेंट्स का 25 अक्टूबर को प्राइम वीडियो पर होगा प्रीमियर

भारत के टॉप रेटेड शोज में से एक एस्पिरेंट्स के लेटेस्ट सीजन का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में प्राइम वीडियो ने इस वेब सीरीज के वर्ल्डवाइड प्रीमियर की घोषणा की थी। शो आज 25 अक्टूबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज होने होगा। ट्रेलर बेहद दमदार है। दोहरी चुनौतियों के साथ, तीन आईएएस उम्मीदवार अपनी कड़ी मेहनत के साथ आखरी पढ़ाव तक पहुंच गए हैं। साथ ही संदीप भैया भी हैं, जो अपने संघर्षों का सामना नजर आते हैं। अभिलाष, जो एक आईएएस अधिकारी बन गया है, काम में सही और गलत के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। साथ ही अपनी प्यारी दोस्ती को बरकरार रखने की उम्मीद करता है। चूंकि प्यार, करियर, दोस्ती, लक्ष्य और सपने सभी एक साथ आ गए हैं, अभिलाष, एसके और गुरी की तिकड़ी को प्री, मेन्स और लाइफ के बीच रास्ता ढूंढने के लिए थोड़ी और कोशिश करने की जरूरत है।

टीवीएफ द्वारा निर्मित इस शो को अपूर्व सिंह कार्की ने डारेक्ट किया है। इस बार भी शो में नवीन कस्तूरिया, शिवांकित सिंह परिहार, अभिलाष थपलियाल, सनी हिंदुजा और नमिता दुबे अहम किरदारों में नजर आएंगे। वहीं एस्पिरेंट्स की कहानी की बात करें तो इसकी कहानी युवाओं के बीच बेहद चर्चित है, जिससे लोग आराम से कनेक्ट कर सकते हैं। इस सीरीज के किरदारों के जरिए दोस्ती, प्यार और करियर के बीच की साझेदारी को बड़ी खूबसूरती से दिखाया गया है। एस्पिरेंट्स सीजन 2 का प्रीमियर भारत और दुनिया भर के 240 देशों और क्षेत्रों में होगा। ऐसे में फैंस इसके नए सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

# सिंघम अगेन में टाइगर श्रॉफ धांसू अवतार में नजर आए

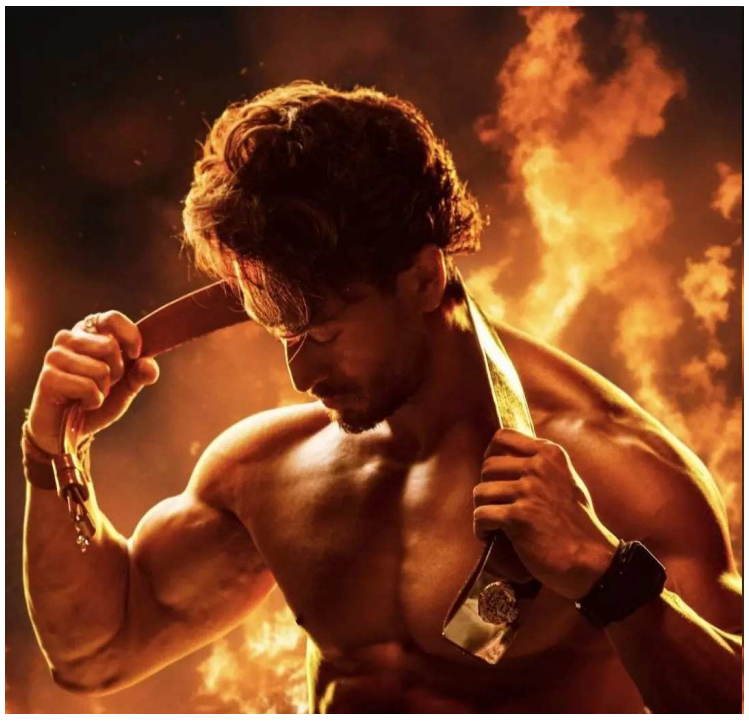

रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई है। ये सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है जिसका फैंस को बेसब्री से इंतजार है। रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में नए ऑफिसर्स शामिल होते जा रहे हैं। हाल ही में दीपिका पादुकोण के लुक से पर्दा हटाया गया था। लेडी सिंघम को देख फैंस काफी एक्साइटेड हो गए थे। अभी वो एक्साइटमेंट खत्म नहीं हुई थी कि अक्षय कुमार ने फैंस को नए एसीपी ने इंट्रोड्यूस करवा दिया है। ये नए एएसपी टाइगर श्रॉफ है।

सिंघम अगेन में अब टाइगर श्रॉफ की भी एंट्री हो गई है। वह एसीपी सत्या के किरदार में नजर आएंगे। अक्षय कुमार ने पोस्ट शेयर करके इस बात की जानकारी दी है।

अक्षय कुमार ने टाइगर के लुक की कई तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें वह अपनी टोन्ड बॉडी फ्लॉन्ट करते नजर आ रहे हैं। वहीं एक हाथ में उन्होंने गन पकड़ी हुई है। अक्षय ने फोटोज शेयर करते हुए लिखा- दूसरी माँ से अपने भाई का स्वागत करता हूं। टाइगर श्रॉफ बतौर एसीपी सत्या।

टाइगर श्रॉफ को कॉप यूनिवर्स का हिस्सा बनता देख फैंस बहुत खुश हैं। वह अक्षय के पोस्ट पर ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा- ब्लॉकबस्टर लोडिंग। वहीं दूसरे ने लिखा- सुपर। एक ने लिखा- सिंघम अगेन हैवी कास्टिंग है रे बाबा। 500 करोड़ सिंघम अगेन। हाल ही में सिंघम अगेन से दीपिका पादुकोण का लुक रिवील किया गया है। अक्षय ने दीपिका का लुक शेयर करते हुए लिखा था- अपनी लेडी सिंघम को इंट्रोड्यूस करते हैं मिलिए शक्ति शेट्टी से। वर्कफ्रंट की बात करें टाइगर श्रॉफ की फिल्म गणपत 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में टाइगर के साथ कृति सेनन और अमिताभ बच्चन लीड रोल में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में टाइगर और कृति दोनों ही जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आने वाले हैं।

# पोलैंड ने दुनिया को रास्ता दिखाया है

श्रुति व्यास

शायद आपकी पोलैंड में रूचि न हो, शायद आपको पोलैंड से कोई लेना-देना न हो, खासकर तब जब आपका ध्यान दुनिया में चल रहे दो युद्धों और हमारे अपने देश में चल रहे राजनीतिक तमाशों पर केंद्रित हो। किंतु पोलैंड महत्वपूर्ण है और उसकी ओर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। वह इसलिए क्योंकि पोलैंड ने हाल में निरंकुश लोक-लुभावनवाद को हराया है और वह भी एक ऐसे चुनाव के बावजूद, जो निष्पक्ष तो कतई नहीं था।

लेकिन पहले पृष्ठभूमि पर कुछ चर्चा। पोलैंड में पहले कम्युनिस्ट शासन था, उसके बाद निरंकुश लोक-लुभावन शासन था और इस पूरे दौर में वह एक असहिष्णु और अनुदार लोकतंत्र बना रहा। यही वजह थी कि वह अपने पड़ोसियों जितनी तरक्की नहीं कर सका। लेकिन 15 अक्टूबर को वहां के नागरिकों ने एक मुक्ति, एक बदलाव और एक नई शुरुआत के लिए वोट दिया। आठ साल के नेशनलिस्ट लॉ एंड जस्टिस पार्टी (पीआईएस) के शासन के बाद पोलैंड के मतदाताओं ने तीन विपक्षी दलों को सरकार बनाने के लिए पर्याप्त सीटों पर जीत दिलवाई और यह सन् 1989 के चुनावों के बाद एक ऐतिहासिक मौका था।

सन् 1989 के चुनावों के बाद पोलैंड में पहली गैर-कम्युनिस्ट सरकार बनी। चुनावों में कम्युनिस्ट पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए की गई धांधली, दशकों तक चले कम्युनिस्ट समर्थक और गैर-कम्युनिस्ट विरोधी प्रचार, सत्ताधारियों के पुलिस, सेना और खुफिया तंत्र पर नियंत्रण के बावजूद लोकतंत्र समर्थक विपक्ष की विजय हुई और उसने वे सारी सीटें जीतीं जिन पर लडने़ की अनुमति उसे दी गई थी। अगले दस वर्षों में पोलैंड में धीरे-धीरे सत्ता का विकेंद्रीकरण हुआ और लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हुईं। लेकिन 2015 में नेशनलिस्ट-कंजरवेटिव पार्टी लॉ एंड जस्टिस (पीआईएस) सत्ता पर काबिज हुई और उसने सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए वह सब कुछ किया जो वह कर सकती थी।

उसके शासनकाल में सरकारी टेलीविजन चैनल सरकार के भोंपू बन गए, सरकारी संस्थानों के धन का उपयोग राजनीतिक अभियानों के लिए हुआ और प्रशासन का राजनीतिकरण हुआ। यहां तक कि चुनाव के ठीक पहले तक, तिकड़मबाजियां जारी रहीं। चुनाव कानूनों में फेरबदल किए गए और अत्यंत गोपनीय सैन्य दस्तावेजों को सार्वजनिक किया गया, और यह सब चुनाव जीतने के लिए हुआ। विपक्ष को डर था कि यदि पीआईएस इस चुनाव में भी जीत हासिल कर लेगी तो उसका सत्ता पर नियंत्रण इतना मजबूत हो जाएगा कि लोकतंत्र उसी तरह का ढकोसला बनकर रह जाएगा जैसा विक्टर ओर्बन के शासनकाल में हंगरी में था। चुनाव अभियान निहायत निर्मम, असभ्य और कटुतापूर्ण था। पीआईएस के नेता यारोस्सोव काजोवेंस्की ने कहा कि विपक्षा का 'नैतिक रूप से सफाया कर दिया जाना चाहिए' और उन्होंने डोनाल्ड टस्क- जो चुनाव में विजयी हुए- को खालिस शैतान कहा था। डोनाल्ड टस्क सबसे बड़े विपक्षी गठबंधन, द सिविक कोएलिशन के नेता हैं, जिसका मुख्य आधार है सिविक प्लेटफॉर्म पार्टी, जिसकी स्थापना 2000 के दशक की शुरुआत में हुई थी और वे जिसके सह-संस्थापक थे। काजोवेंस्की को उम्रदराज मतदाताओं का समर्थन हासिल था तो टस्क युवाओं में लोकप्रिय थे। नतीजा हुआ रिकार्ड तोड़ 74 प्रतिशत मतदान, जो 1989 से 10 प्रतिशत ज्यादा था। प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार 29 वर्ष से कम उम्र के मतदाताओं ने 60 साल से अधिक उम्र के मतदाताओं की तुलना में बहुत अधिक मतदान किया, जिसका साफ मतलब यह है कि पोलिश युवाओं को अंततः समझ में आ गया कि इस चुनाव में उनका भविष्य दांव पर लगा है। साथ ही महिलाओं ने अधिक संख्या में मतदान किया, क्योंकि उन्हें प्रतिक्रियावादी, पितृसत्तात्मक पार्टी के खिलाफ वोट देना था, जिसने यूरोप के सबसे कड़े गर्भपात-विरोधी कानून लागू किए। यह उनके लिए 1989 जैसा क्षण था, लोकतंत्र का क्षण और 1989 की तरह यह क्षण भी पोलैंड की जनता के लिए 'अच्छे' बदलाव का क्षण है।

अतः यह निश्चित है कि लोकतांत्रिक विपक्षी दलों को संसद में पीआईएस और उसके संभावित साथी कोंफेड्राकजा पार्टी की मुकाबले स्पष्ट बहुमत हासिल हो जाएगा। इस दूसरी पार्टी के बारे में आशंका थी कि उसे युवा मतदाताओं के बड़े प्रतिशत का समर्थन मिलेगा। यदि वर्तमान अनुमान एकदम गलत साबित नहीं होते तो डोनाल्ड टस्क पोलैंड के अगले प्रधानमंत्री होंगे और हालात दुबारा ठीक करने का सफर शुरू होगा। लेकिन जबरदस्त जीत के बावजूद बदलाव का यह सफर आसान नहीं होगा। वहां से छन कर आ रही खबरों के अनुसार अनुमान है कि गमो-गुस्से में जल रहे काजोवेंस्की कुछ गंदी हरकतें कर सकते हैं। राष्ट्रपति अंड्रेजी डूडा उन्हें पहले सरकार बनाने का न्योता देंगे, यह पक्का माना जा रहा है। इसलिए सत्ता परिवर्तन में कई महीने लग सकते हैं।

लेकिन पोलैंड के समक्ष उपस्थित जिन चुनौतियों का सामना टस्क को करना पड़ेगा, उनके बावजूद इन चुनावों के नतीजों का एक सबक हैं। निरंकुशता अपनी मौत मरती है, और जनाक्रोश किसी का भी अंत कर सकता है। और इसमें जुड़ गया समझदार विपक्ष। डोनाल्ड टस्क ने पीआईएस के निम्न स्तर के प्रचार के बावजूद अपनी गरिमा कायम रखी और आक्रामक राष्ट्रवाद की बजाए संयमित भाषा में देशभक्तिपूर्ण बातें कीं। तीन विपक्षी दलों के मैदान में होने का नतीजा यह हुआ कि मध्य-दक्षिणपंथी और मध्य-वामपंथी तक, मतदाताओं के विभिन्न वर्गों ने जो संदेश उन्हें दिया जा रहा था, उसे समझा। पिछले साल हंगरी में और पिछली मई में तुर्की में लोकतांत्रिक गठबंधनों के राष्ट्रवादी-परंपरावादी सत्ताधारी दलों को पराजित करने में विफल रहने और इजराइल में अतिवादियों का गठबंधन के सत्ता पर काबिज होने के बाद लोगों को भय था कि पोलैंड में भी लोकतांत्रिक पद्धति से बदलाव मुमकिन नहीं है। लेकिन, विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पोलैंड के चुनाव ने उन्हें गलत साबित कर दिया है।

## सू- दोकू क्र.071

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2 | | 6 | | 8 | | 3 | |
| 9 | | 8 | | 3 | | 4 | | |
| | | | | | | | 5 | |
| 5 | | 2 | | | 7 | | 6 | |
| | 8 | | 4 | | | 1 | | 3 |
| | | | | 9 | | | | |
| 8 | | | 9 | | | | 1 | |
| | 5 | | | 1 | | 6 | | 2 |
| | | 1 | 7 | | | | 4 | |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.70 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 6 | 3 | 8 | 1 | 4 | 9 | 7 | 5 |
| 9 | 5 | 4 | 2 | 6 | 7 | 3 | 1 | 8 |
| 8 | 7 | 1 | 9 | 3 | 5 | | 6 | 2 |
| 6 | 2 | 7 | 5 | 4 | 8 | 4 | 3 | 9 |
| 3 | 9 | 8 | 6 | 7 | 1 | 2 | 5 | 4 |
| 4 | 1 | 5 | 3 | 2 | 9 | 6 | 8 | 7 |
| 5 | 3 | 2 | 4 | 8 | 6 | 7 | 9 | 1 |
| 1 | 8 | 6 | 7 | 9 | 2 | 5 | 4 | 3 |
| 7 | 4 | 9 | 1 | 5 | 3 | 8 | 2 | 6 |

# तो विधानसभाएं हैं किसलिए ?

संसदीय लोकतंत्र में विधायिका सत्ता की जवाबदेही और उसके कामकाज में पारदर्शिता को सुनिश्चित करती है। लेकिन अगर विधायिका यह कार्य ना करे, या उसे ऐसा ना करने दिया जाए, तो क्या इस अपेक्षा पर कुठाराघात नहीं होगा?

लोकतंत्र के खिलाफ एक तर्क यह है कि इस सिस्टम को चलाना बहुत महंगा पड़ता है। लेकिन उसका तार्किक जवाब यह है कि चूंकि इस व्यवस्था में सत्ता पर नियंत्रण रखना, उसके कामकाज की पारदर्शिता और जवाबदेही तय करना संभव होता है, इसलिए दीर्घकाल में इसे चलाने के लिए हुआ खर्च सार्थक एवं लाभदायक साबित होता है। इससे सरकारी फैसलों में जन हित को केंद्र में रखना मुमकिन होता है। साथ ही चूंकि निर्णय आम सहमति से होते हैं, इसलिए सिस्टम को स्थिर एवं टिकाऊ बनाना संभव होता है। और सारा कार्य विधायिका के जरिए होता है। लेकिन अगर विधायिका यह कार्य ना करे, तो क्या उपरोक्त अपेक्षाओं पर कुठाराघात नहीं होगा?

यह प्रश्न भारत में विधायिकाओं की लगातार गिर रही भूमिका के कारण प्रासंगिक हो उठा है। अगले महीने पांच राज्यों- मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। एक ताजा रिपोर्ट से इन पांचों विधानसभाओं के बीते पांच साल में रहे रिकॉर्ड के बारे में जानकारी मिली है। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च ने नाम की संस्था की रिपोर्ट के मुताबिक इन राज्यों में सालाना 30 दिन से भी कम विधानसभा की बैठकें हुईं। राजस्थान में बैठकें साल में औसतन 29 दिन, छत्तीसगढ़ में 23 दिन, मिजोरम में 18 दिन, मध्य प्रदेश में 16 दिन और तेलंगाना के लिए यह संख्या 15 रहीं। खुद समझा जा सकता है कि एक वर्ष में अगर इतनी कम बैठकें हों, तो विधानसभाओं ने अपनी जिम्मेदारी किस हद तक निभाई?

यह भी गौरतलब हैकि छत्तीसगढ़ में बैठक का औसत समय प्रति दिन महज पांच घंटे का रहा, वहीं मध्य प्रदेश में औसतन चार घंटे चली। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के इस विश्लेषण के मुताबिक मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में 1952 से 2022 के बीच बैठकों के औसत दिनों में लगातार कमी आई है।

यह गौरतलब है कि इन पांचों राज्यों की विधानसभाओं लगभग 48 प्रतिशत विधेयकों पर उसी दिन या पेश होने के अगले दिन विचार किया गया और उसे पारित भी कर दिया गया। तो देर-सबेर यह सवाल उठेगा कि अगर विधानसभाएं इस तरह चलनी हैं, तो उनकी जरूरत ही कितनी बची है?(आरएनएस)

# ठंड के मौसम में बढ़ सकती है माइग्रेन की समस्या, जानिए बचने के उपाय

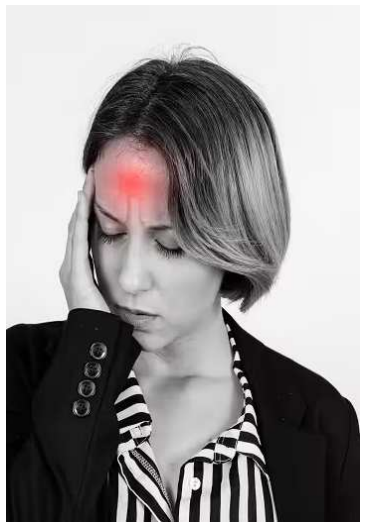

मौसम में बदलाव होने लगा है। सुबह-शाम तापमान में गिरावट की वजह से ठंड पडने़ लगी है। मौसम में यह बदलाव सेहत के लिए कई तरह से परेशानी वाला हो सकता है। इस मौसम में इंफ्लूएंजा जैसे वायरस के बढने़ के साथ ही माइग्रेन भी ट्रिगर कर सकता है। सर्दियां बढने़ के साथ माइग्रेन खतरनाक हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सर्दी के मौसम में सिरदर्द की समस्या आम हो जाती है। इस दौरान माइग्रेन की समस्या बढ़ सकती है। आइए जानते हैं इसका कारण और इससे बचने के उपाय।।।

ठंड बढने़ पर क्यों बढ़ जाता है माइग्रेन

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ऐसे लोग जिन्हें माइग्रेन की समस्या है, उन्हें सर्दियों में काफी परेशानी हो सकती है। इस मौसम की कई कंडीशन ऐसी होती हैं, जो माइग्रेन के जोखिम को बढ़ा सकती हैं। मेयो क्लिनिक की रिपोर्ट के मुताबिक, मौसम में बदलाव करने से माइग्रेन ट्रिगर हो सकता है। इसके अलावा हवा में रूखापन, ज्यादा ठंड की वजह से भी माइग्रेन परेशान कर सकता है।

धूप की कमी से माइग्रेन की समस्या

ठंड के मौसम में धूप कम मिल पाता है, इसकी वजह से भी माइग्रेन परेशान बढ़ सकता है। धूप की कमी की वजह से मस्तिष्क में सेरोटोनिन जैसे रसायन असंतुलित हो सकता है। ब्रेन केमिकल्स के असंतुलन की वजह से सिरदर्द और माइग्रेन की समस्या बढ़ सकती है। इसके अलावा धूप की कमी शरीर के सर्केडियन रिदम को बाधित कर देती है, जिसकी वजह से नींद के पैटर्न में असंतुलन या नींद में कमी हो सकती है। नींद में खलल की वजह से माइग्रेन ट्रिगर हो सकता है।

माइग्रेन से बचने के उपाय

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, लाइफस्टाइल में कई बदलाव की वजह से सिरदर्द की समस्या ज्यादा हो सकती है। शराब-काफी का ज्यादा सेवन, तेज या चमकती रोशनी, तेज गंध और कुछ फूड्स माइग्रेन को बढ़ा सकते हैं। इससे बचने के लिए सर्दियों में सिरदर्द, खासतौर पर माइग्रेन से बचाव के लिए कोशिश करते रहना चाहिए। इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि ठंड से बचकर रहें। नियमित तौर पर एक्सरसाइज करने का भी फायदा मिल सकता है। इससे सेरोटोनिन का लेवल बढ़ता है, जो माइग्रेन के खतरे को कम कर सकता है। ठंड के मौसम में सिर अच्छे से कवर करें। इससे माइग्रेन से बचाव हो सकता है। (आरएनएस)

# रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया पटवारी

हमारे संवाददाता

नैनीताल। पटवारी द्वारा एक व्यक्ति से उसके पक्ष में आख्या लगाने के लिए रिश्वत मांगना भारी पड़ गया। पीड़ित की शिकायत पर विजिलेंस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए पटवारी को रंगे हाथों रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते दिनों शिकायतकर्ता नें शिकायत की थी कि मैंने अपने खेत में धान की रोपाई की थी, जब धान पकने पर काटने गया तो गुरदीप कौर व उसके परिवार के लोग मुझे धान नहीं काटने दे रहे थे। इस पर शिकायतकर्ता द्वारा उपजिलाधिकारी तहसील सितारगंज को प्रार्थनापत्र दिया गया। जिस पर पटवारी त्रिलोचन सुयाल द्वारा पहले भूमि पर विवाद होने की रिपोर्ट लगायी गयी। पुनः उपजिलाधिकारी को प्रार्थनाण्पत्र देने पर पटवारी द्वारा अपनी दोबारा लगायी गयी आख्या में शिकायतकर्ता के पक्ष में रिपोर्ट लगायी तथा इसके एवज में 8 हजार रूपये (आठ हजार रूपया) की मांग की गई। जिस पर शिकायतकर्ता ने विजिलेन्स कार्यालय में प्रार्थना पत्र दिया। शिकायतकर्ता की शिकायत की जांच कराने पर शिकायत सही पाये जाने पर निरीक्षक विनोद कुमार यादव के नेतृत्व में ट्रैप टीम का गठन किया गया। ट्रैप टीम द्वारा पटवारी त्रिलोचन सुयाल को शिकायतकर्ता से 8 हजार रूपये (आठ हजार रूपये ) की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। ट्रैप टीम में ट्रैप प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार यादव के अतिरिक्त निरीक्षक मनोहर सिंह दसौनी, उपनिरीक्षक रमेश सिंह विष्ट, हे. कां. दीप चन्द्र जोशी एवं कानि. संजीव सिंह नेगी शामिल रहे।

# चोरी की स्कूटी के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की स्कूटी के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 अक्टूबर को उमेश अरोडा निवासी 41 दसमेश पुरी इन्दिरा गाँधी मार्ग कोतवाली पटेलनगर जनपद देहरादून द्वारा कोतवाली पटेलनगर पर एक लिखित प्रार्थना पत्र अपनी स्कूटी हनुमान मन्दिर बैंक ऑफ बडौदा के सामने से चोरी हो गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना में शामिल रजत सक्सैना को चोरी की गई स्कूटी सहित कमला पैलेस से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

# खड़े ट्रक से कार की हुई जोरदार टक्कर, 12 लोगों की मौत

चिक्कबल्लापुर। कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर जिले में गुरुवार की सुबह चीख-पुकार के साथ हुई, जहां एक भीषण हादसे ने दर्जन भर लोगों की जान ले ली। बताया जा रहा है कि चिक्कबल्लापुर के बेंगलुरु-हैदराबाद नेशनल हाईवे 44 पर सुबह 7.15 बजे करीब एक टाटा सूमो कार हाईवे पर एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

उन्होंने बताया कि एक घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना में शामिल लोग आंध्र प्रदेश के पेनकोंडा जिले के थे। जानकारी के मुताबिक, बागेपल्ली से चिक्काबल्लापुर जा रहे एसयूवी के चालक के खड़े टैंकर से टकरा जाने से चार महिलाओं सहित बारह लोगों की तुरंत मौत हो गई।

एक व्यक्ति को गंभीर चोटें आईं और उसका स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़ितों में दस पुरुष और दो महिलाएं थीं। पुलिस के मुताबिक, मृतक बेंगलुरु के होंगसंद्रा में रहता था और आंध्र प्रदेश के गोरंटला का रहने वाला था। पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

## चेन्नई से धामी को मिले 3,450 करोड के.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

तक 3,450 करोड़ के निवेश प्रस्तावों के एमओयू साईन किये गये हैं। मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों से कहा कि वह 8-9 दिसम्बर को राजधानी दून के फारेस्ट रिसर्च सेंटर में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में आये उनकी सभी शंकाओं का समाधान होगा।

# इस साल विरासत में भारतीय लोक कलाओं के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय कलाओं का संगम होगाः सिंह

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। रूरल एंटरप्रेन्योरशिप फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (रीच) कि ओर से राजपुर रोड स्थित एक होटल में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था के वरिष्ठ सदस्यों ने आयोजन के बारे में संपूर्ण जानकारी लोगो को दी।

रीच के संस्थापक एवं महासचिव आरके सिंह ने कहा कि विरासत भारतीय और अंतरराष्ट्रीय लोक और शास्त्रीय नृत्य, संगीत, कला, शिल्प और भारत की व्यापक विरासत का जश्न मनाने वाला वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सब है। यह महोत्सव 27 अक्टूबर से डॉ. बीआर अंबेडकर स्टेडियम, कौलागढ़ रोड, देहरादून, उत्तराखंड में शुरू होगा। एक पखवाड़े तक चलने वाले उत्सव का समापन 10 नवंबर, 2023 को होगा। भारतीय परंपरा, सांस्कृति और विरासत को बनाए रखते हुए, महोत्सव में कारीगर और शिल्पकार इस मंच के माध्यम से अपनी लोक और शास्त्रीय कला का प्रदर्शन करेंगे।

कार्यक्रम का मुख्य मंच विरासत विलेज उत्तराखंड की प्रतिष्ठित मंदिर वास्तुकला से प्रेरित है। यह भारतीय संस्कृति की सामंजस्यपूर्ण विविधता और एकता को उजागर करता है।

रीच संस्था के वरिष्ठ सदस्य लोकेश ओहरी ने कहा 15 दिवसीय कार्यक्रमों में सुबह और दोपहर के समय में विरासत साधना शामिल होंगी - जो देहरादून के स्कूलों और कॉलेजों के युवा और उभरते कलाकारों के लिए एक मंच है, जो अपनी प्रतिभा का मंचन करेंगे, मास्टर कारीगरों द्वारा एक शिल्प कार्यशाला, विंटेज कार एवं बाइक रैली, विरासत प्रश्नोत्तरी, फोटोग्राफी प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम भी शामिल होंगे वही श्री के. एल.पांडेय और श्री त्रिपुरारि शरण जैसे विशेषज्ञों द्वारा संगीत और साहित्य पर बातचीत भी आकर्षण का केंद्र होगा। उत्तराखंड, गुजरात, गोवा, नागालैंड और उत्तर प्रदेश राज्य के लोक नृत्य के साथ-साथ रूस और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों के अंतर्राष्ट्रीय नृत्य रूप भी उन देशों के विभिन्न समूहों और कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए जाएंगे।

लोक और सूफी संगीत, गजल, हिंदुस्तानी और कर्नाटक शास्त्रीय संगीत, साथ ही भरतनाट्यम और कथक जैसे नृत्य रूप और सरोद, तबला, बांसुरी, मैंडोलिन, वायलिन और पियानो पर प्रदर्शन के साथ वाद्य संगीत का भव्य कार्यक्रम इस साल दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा एवं भारतीय और अंतरराष्ट्रीय विभिन्न दिग्गज अपने-अपने क्षेत्रों से विरासत 2023 के मंच की शोभा बढ़ाएंगे। इन कलाकारों में तीन बार ग्रैमी पुरस्कार विजेता भारतीय संगीतकार रिकी केज, पटियाला घराने की कौशिकी चक्रवर्ती, प्रतिष्ठित सूफी गायक वडालिस, मेवाती घराने के संजीव अभ्यंकर, प्रसिद्ध पंडितजी साजन मिश्रा, राधिका चोपड़ा की गजल गायकी शामिल हैं। पंजाबी लोक कलाकार जसबीर जस्सी, राग निर्माता ब्रायन सिलास और कथक नर्तक शिंजिनी कुलकर्णी और कई अन्य कलाकार इस मंच से देहरादून के लोगो के लिए अपनी प्रस्तुति देंगे।

प्रेस वार्ता में रूरल एंटरप्रेन्योरशिप फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (रीच) कि ओर से जनरल सेक्रेटरी आर.के. सिंह, डायरेक्टर प्रोग्राम लोकेश ओहरी, ट्रस्टी हरीश अवल , जॉइंट सेक्रेटरी विजयश्री जोशी एवं मीडिया इंचार्ज प्रियंवदा अय्यर मौजूद रहे।

# दो लड़कियों ने गुरुद्वारे में आपस में रचाई शादी

जालंधर। पंजाब के जालंधर में दो लड़कियों के आपस में शादी करने का मामला सामने आया है। इन लड़कियों ने खरड़ के एक गुरुद्वारा साहिब में शादी की है। इसके बाद पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट से सुरक्षा की गुहार लगाई है। वहीं हाईकोर्ट ने मामले पर संज्ञान लेते हुए जालंधर के एसएसपी मुखविंदर सिंह भुल्लर को दोनों युवतियों को सुरक्षा देने का निर्देश दिया है। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए दोनों लड़कियों ने कहा कि वो एक-दूसरे को पसंद करती हैं, इसलिए उन्होंने 18 अक्टूबर को खरड़ के गुरुद्वारा साहिब में शादी कर ली है। इसको लेकर उनके परिवार के लोग खुश नहीं हैं, जिसके चलते उन्हें जान का खतरा बना हुआ है। खतरे की आशंका को देखते हुए उन्होंने जालंधर के एसएसपी को मांग पत्र भी दिया है। लेकिन, उसके बाद भी एसएसपी की तरफ से मामले में कोई संज्ञान नहीं लिया गया, जिसकी वजह से उन्हें हाईकोर्ट की शरण लेनी पड़ी। वहीं याचिका पर सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट की तरफ से कहा गया है कि जितनी समय वो दोनों लड़कियां अपने शहर में रहती हैं, उन्हें पुलिस सुरक्षा दे जाए। पुलिस दोनों लड़कियों की जान की सुरक्षा के साथ-साथ स्वतंत्रता भी सुनिश्चित करें। हाईकोर्ट ने यह साफ तौर पर कहा कि अगर याचिका देने वाली लड़कियों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई की जाती है तो उसमें हाईकोर्ट का ये आदेश आड़े नहीं आएगा।

# राजतिलक व पुरस्कार वितरण के साथ हुआ टिहरी नगर के एतिहासिक रामलीला का समापन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून द्वारा गढ़वाल की ऐतिहासिक राजधानी पुरानी टिहरी की 1952 से होने वाली प्राचीन रामलीला को टिहरी के जलमग्न होने के बाद देहरादून में 21 वर्षों बाद पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया है और इस हेतु देहरादून के टिहरी-नगर के आजाद मैदान, अजबपुर कलां, दून यूनिवर्सिटी रोड़, देहरादून में 11 दिन की भव्य रामलीला का आयोजन शारदीय नवरात्रों में 15 से 25 अक्टूबर 2023 तक सफल आयोजन हुआ।

श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून के अध्यक्ष अभिनव थापर ने बताया कि रामलीला के समापन दिवस में आज रामखलक्ष्मण की रावण को युद्ध में हराकर अयोध्या वापस आने के साथ अयोध्या का राजतिलक हुआ। समापन दिवस में 1952 से आजतक के पुराने कलाकारों व उनके परिवार को सम्मानित किया गया, क्योंकि इस रामलीला को 1952 से सफल बनाने में हर एक व्यक्ति का योगदान रहा। कार्यक्रम में सभी पात्रों, समन्वय समिति, स्वयंसेवक समिति, गायक और संगीतकार को रामलीला समिति द्वारा सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है की उत्तराखंड में लेजर शो, डिजीटल स्क्रीन, लाईव टेलीकास्ट सिस्टम के साथ पहली बार उड़ने वाले हनुमान जैसे दृश्यों के साथ इतनी भव्य रामलीला का सफल आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में अतिथिगणों में विधायक विनोद कंडारी, सुरेश जोशी , सुशील बहुगुणा, रामलीला समिति के अध्यक्ष अभिनव थापर, अमित पंत, गिरीश चंद्र पांडे, नरेश कुमार , मनोज जोशी , डॉ नितेन्द्र डंगवाल, आदि ने पुरस्कार वितरण कर प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

## एक नजर

# पीएम मोदी ने किया साई बाबा के दर्शन

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने सबसे पहले शिरडी के साईं बाबा के दर्शन किए और पूजा अर्चना की। इस दौरान पीएम मोदी के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस भी नजर आए। महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस भी साथ रहे। पीएम मोदी ने मंदिर के बाहर मौजूद लोगों का अभिवादन किया। इसके बाद पीएम मोदी ने नए दर्शन कतार परिसर का उद्घाटन किया। कॉम्प्लेक्स की आधारशिला पीएम ने अक्टूबर, 2018 में रखी थी। पीएम मोदी महाराष्ट्र दौरे के दौरान नमो शेतकारी महासम्मान निधि योजना की शुरुआत करेंगे तथा महाराष्ट्र में लगभग 7,500 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और कुछ की आधारशिला रखेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री गोवा का दौरा करेंगे जहां पहली बार आयोजित किए जा रहे 37वें राष्ट्रीय खेलों का वह उद्घाटन भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बयान जारी करते हुए बताया था कि पीएम मोदी महाराष्ट्र दौरे की शुरुआत करते हुए शिरडी पहुंचेंगे, जहां वह श्री साईंबाबा समाधि मंदिर में पूजा और दर्शन करेंगे तथा मंदिर में नए दर्शन कतार परिसर का भी उद्घाटन करेंगे। पीएमओ ने बताया था कि प्रधानमंत्री निलवंडे बांध का जल पूजन करेंगे और बांध का एक नहर नेटवर्क राष्ट्र को समर्पित करेंगे। शिरडी में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में वह स्वास्थ्य, रेल, सड़क और तेल एवं गैस जैसे क्षेत्रों में करीब 7500 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, कुछ को राष्ट्र को समर्पित करेंगे और कुछ अन्य का शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री शिरडी में जिस दर्शन कतार परिसर का उद्घाटन करेंगे, उसकी आधारशिला उन्होंने अक्टूबर, 2018 में रखी थी।

# स्कूल बस के ऊपर गिरा 1 हजार किलो का कद्दू !

नई दिल्ली। घरों में बनने वाले कद्दू का साइज कितना होता होगा, खरबूजे जितना, या फिर एक फुटबॉल जितना! पर क्या आपने कभी 1 हजार किलो का कद्दू देखा है? शायद नहीं देखा होगा। मगर इन दिनों एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें 1 हजार किलो से ज्यादा भारी कद्दू एक क्रेन से लटकाया गया है और वो एक स्कूल बस पर गिराया जा रहा है। कद्दू के गिरने से बस की जो हालत हुई, वो देखने लायक है। इंस्टाग्राम अकाउंट वायरल हॉग पर अक्सर हैरान करने वाले वीडियोज पोस्ट किए जाते हैं। हाल ही में इस अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया गाय है जिसमें एक कद्दू को गाड़ी के ऊपर गिराते हुए दिखाया गया है। हैरानी इस बात की है कि ये इतना भारी कद्दू है कि गाड़ी पिचक जाती है, जैसे वो लोहे से नहीं, बल्कि प्लास्टिक से बनी हो। पर इस कद्दू को गिराया क्यों गया? क्या से सिर्फ मस्ती में किया गया या इसके पीछे कोई खास कारण था? ये वीडियो अमेरिका के मिनेसोटा का है।

# हमास का खात्मा इजरायल का मुख्य लक्ष्यः बेंजामिन नेतन्याहू

नई दिल्ली। गाजा पट्टी में हमास पर जारी बमबारी के बीच इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बार फिर हुंकार भरी है। उन्होंने कहा कि हमास के सभी सदस्य मौत के करीब हैं। उन्होंने राष्ट्र को संबोधित करते हुए बुधवार को कहा कि हमास का खात्मा करना और बंधकों को घर वापस लाना ही इजरायल का मुख्य लक्ष्य है। बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, उनका देश अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है और गाजा में जमीनी आक्रमण करने की तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने राष्ट्रीय एकता की अपील करते हुए कहा। जमीन के ऊपर हों या नीचे। गाजा के अंदर हों या बाहर हमास के सभी सदस्यों की मौत करीब है। इजरायली पीएम ने कहा। रक्षा मंत्री याओव गैलेंट। मंत्री बेनी गैंट्ज। सुरक्षा मंत्रिमंडल। चीफ ऑफ स्टाफ और अन्य एजेंसियों के प्रमुखों के साथ हम जीत मिलने तक युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं और राजनीतिक नफा-नुकसान के बारे में सोचे बगैर काम कर रहे हैं। नेतन्याहू ने कहा। हमारा लक्ष्य देश को बचाना। जीत हासिल करना है। उन्होंने कहा। हम हमास पर कहर बरपा रहे हैं और हम हजारों आतंकवादियों का खात्मा कर चुके हैं और यह तो बस शुरुआत है। गाजा में जमीनी आक्रमण की अटकलों को लेकर नेतन्याहू ने कहा कि यह जल्द होगा लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कब और कैसे होगा?

# उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिटः एसीएस ने 500 करोड़ या उससे अधिक के एमओयू की समीक्षा की

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने निवेशकों के भूमि एवं आवास सम्बन्धित मामलों के त्वरित क्लीयरेन्स के लिए कमीशनर गढ़वाल और कुमाऊँ को नोडल बनाने के निर्देश दिए हैं। कमीशनर गढ़वाल और कुमाऊँ लैण्ड क्लीयरेन्स सम्बन्धित मामलों की नियमित समीक्षा के साथ ही हर 15 दिन में इसकी रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री को देंगे। इसके साथ ही उन्होनें फॉरेस्ट तथा पोल्यूशन क्लीयरेन्स सम्बन्धित मामलों के लिए प्रमुख सचिव वन तथा फायर क्लीयरेन्स के लिए डीआईजी फायर को नोडल बनाने के निर्देश जारी किये हैं। एसीएस ने प्रत्येक इन्वेस्टमेंट प्रोजेक्ट के डेडिकेटेड फॉलोअप के लिए एक-एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति के भी आदेश दिए हैं। यह नोडल अधिकारी उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हेतु किये गए एमओयू के तहत हर प्रोजेक्ट का पटवारी स्तर से सचिव स्तर तक विभिन्न स्तरों एवं विभिन्न विभागों में त्वरित क्लीयरेन्स को सुनिश्चित करेंगे। इस कार्य हेतु पूर्णतः प्रशिक्षित करने के लिए एसीएस श्रीमती राधा रतूड़ी के निर्देश पर 30 नवम्बर को विभिन्न विभागों के इन नोडल अधिकारियों हेतु एक इन्वेस्टमेंट ट्रैकिंग पोर्टल वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। एसीएस ने कहा कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पहले सभी एमओयू की शत् प्रतिशत ग्राउडिंग की चुनौती का सामना सभी विभागों को कलेक्टिव ऑनरशिप के साथ करना होगा।

अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हेतु किए गए 500 करोड़ रूपये या उससे अधिक के 25 विभिन्न एमओयू की ग्राउण्डिग की समीक्षा की। उत्तराखण्ड सरकार एवं विभिन्न कम्पनियों के मध्य अभी तक 500 करोड़ या उससे अधिक के 25 एमओयू किये जा चुके हैं। अभी तक हुए कुल एमओयू में से 50 प्रतिशत से अधिक एमओयू पर्यटन के क्षेत्र में किये गए हैं, अतः एसीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने पर्यटन विभाग को सबसे अधिक सक्रियता के साथ प्रोजेक्ट्स की ग्राउडिंग पर कार्य करने की हिदायत दी है। उन्होंने सभी विभागों को नसीहत दी है कि किसी भी प्रोजेक्ट्स पर एमओयू होने के बाद से ग्राउडिंग के लिए एक-एक दिन बेहद मूल्यवान हैं, इसलिए सभी सम्बन्धित अधिकारी सरकारी कार्यशैली की जगह कॉरपोरेट कार्यशैली को अपनाते हुए प्रोजेक्ट्स की ग्राउडिंग पर मिशन मोड पर कार्य करें। उन्होंने विभागों को एमओयू की शत् प्रतिशत ग्राउडिंग के लिए अलग-अलग रहकर कार्य करने स्थान पर कलेक्टिव ऑनरशिप के साथ कार्य करने की हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि विभागों को आइसोलेशन में कार्य करने की कार्य संस्कृति को समाप्त करना होगा।

बैठक में अपर मुख्य सचिव ने परिवहन विभाग को पब्लिक ट्रांसपोर्ट व इलैक्ट्रिक बसों के क्षेत्र में रूचि दिखाने वाले निवेशकों को प्रोत्साहित करने हेतु विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा विशेषकर देहरादून जैसे भीड़ वाले शहरों में ट्रैफिक की समस्या के स्थायी समाधान के लिए पब्लिक टांसपोर्ट सिस्टम को मजबूत करना अत्यन्त आवश्यक है। बैठक में सचिव उद्योग विनय शंकर पाण्डेय, अपर सचिव श्रीमती पूजा गर्ब्याल, श्रीमती रंजना राजगुरू, श्रीमती नितिका खण्डेलवाल एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

# एसटीएफ ने नकली हर्बल दवाइयां बनाने की फैक्ट्री पकडी, दो भाई गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने नकली हर्बल दवाइयां बनाने की फैक्ट्री का पर्दाफाश करते हुए दो सगे भाईयों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में नकली दवाइयों का जखीरा बरामद किया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा बताया गया कि एसटीएफ को सितारगंज में अवैध दवाई फैक्ट्री संचालित होने की सूचना मिली थी जिस पर कुमायूँ टीम को उनके द्वारा निर्देशित किया गया था। गत शाम सीओ एसटीएफ सुमित पाण्डे द्वारा गठित टीम ने सितारगंज के थारु गौरीखेड़ा क्षेत्र में स्थानीय प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग को साथ लेकर एक घर में छापेमारी की तो टीम को वहाँ हर्बल दवाओं के नाम पर भारी मात्रा में चूर्ण, कैप्सूल, पाउडर मिला। दवाओं में किसी ब्रांड के रैपर, टैग नही लगे थे। इन दवाओं की ताकत बढ़ाने और बीमारियों के इलाज के लिए ऑनलाइन बिक्री की जा रही थी। एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल के मुताबिक, मौके से टीम को मुर्गा लिखे हुए चूर्ण के कट्टे मिले हैं इसी चूर्ण को प्लास्टिक के कैप्सूलों में भरा गया है सम्बन्धित विभाग द्वारा इन दवाओं के सैंपल लिये गये हैँ। हर्बल दवा के नाम पर ऑनलाइन दवा बेचने वाले दो लोगों के द्वारा इस मकान को किराये पर लिया गया था। चार माह से बिना लाइसेंस दोनों

इस मकान में दवाओं को बनाकर ऑनलाइन व्यापार कर रहे थे। इनके द्वारा विभिन्न बीमारियों के इलाज में पार्सल से दवा भेजकर मोटी रकम वसूली जा रही थी, एक डिब्बे के 1575 रूपये वसूले जाते थे सभी प्रकार की बीमारियों में एक ही प्रकार की दवा भेजी जाती थी। इन दवाओं के सम्बन्ध में फोरेंसिंक जाँच से ही वास्तविकता सामने आ पायेगी। फिलहाल बरामद दवाइयों और मकान को सीलबन्द कर दिया गया है। पकडे गये दोनों व्यक्तियों ने अपने नाम सलमान पुत्र मौहम्मद हनीफ निवासी ग्राम उदयपुर थाना अमरिया जिला पीलीभीत उत्तर प्रदेश, फैजान पुत्र मौहम्मद हनीफ निवासी ग्राम उदयपुर थाना अमरिया जिला पीलीभीत बताया। एसटीएफ ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

## सूचना पत्र

समस्त जनता को सामान्य जानकारी के तहत यह अधिसूचित किया जाता है कि ईस्ट होप टाउन एस्टेट कम्पनी लिमिटेड से सम्बन्धित सभी सड़कें एंव रास्ते दिनांक 27.10.023 को बंद रहेगें। इन सड़कों व रास्तों के उपयोग के लिए आवश्यक पास आवेदन पर टी कम्पनी के प्रबन्धक से प्राप्त किये जा सकते है।

द्वारा आदेशित
महानिदेशक/निदेशक
ईस्ट होप टाउन एस्टेट क. लिमिटेड
पो. अम्बीवाला प्रेमनगर,
देहरादून, उत्तराखण्ड

**आर.एन.आई.-** 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

*प्रधान संपादक*
**कांति कुमार**

*संपादक*
**पुष्पा कांति कुमार**

*समाचार संपादक*
**आनंद कांति कुमार**

**कानूनी सलाहकारः**
**वी के अरोड़ा, *एडवोकेट***
**बैजनाथ, *एडवोकेट***

**कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।**
**मो. 9358134808**

*नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।*